उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी

www.bpsnews.in

डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी-304/2021-2023

वर्ष 7 ■ अंक 17 ■ आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740 ■ सोमवार 30 मई ,2022 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य 2/ रुपया

वैश्विक महामारी में भी भारतीय स्टार्टअप का मूल्यांकन और धन बढ़ा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में 'यूनीकॉर्न कंपनियों की संख्या 100 तक पहुंचने का उल्लेख करते हुए रविवार को कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी में भी भारत के स्टार्टअप ने धन कमाना और मूल्यांकन बढ़ाना जारी रखा। प्रधानमंत्री मोदी ने रेडियो में प्रसारित होने वाले मासिक कार्यक्रम 'मन की बात में कहा कि इस महीने की पांच तारीख को भारत में 'यूनीकॉर्न की संख्या 100 हो गई। उन्होंने कहा, 'यूनिकॉर्न का मतलब है कि कम से कम 7,500 करोड़ रुपये के कारोबार वाला स्टार्टअप। इन यूनीकॉर्न का कुल मूल्यांकन 330 अरब डॉलर है, जो 25 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। निश्चित ही, यह हर भारतीय के लिए बहुत गर्व की बात है। मोदी ने कहा, ''आपको यह जानकर हैरानी होगी कि कुल यूनिकॉर्न कंपनियों में से 44 यूनीकॉर्न केवल पिछले साल स्थापित की गईं। इसके अलावा, इस साल तीन से चार महीनों की अवधि में 14 यूनीकॉर्न कंपनियां स्थापित की गईं। इसका अर्थ है कि वैश्विक महामारी में भी हमारे स्टार्टअप ने धन कमाना और मूल्यांकन बढ़ाना जारी रखा। उन्होंने कहा कि भारतीय यूनिकॉर्न की औसत वार्षिक वृद्धि दर अमेरिका, ब्रिटेन और कई अन्य देशों की तुलना में अधिक है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमारी यूनिकॉर्न कंपनियां विविधतापूर्ण बन रही हैं। स्टार्टअप की दुनिया नए भारत की भावना को प्रदर्शित कर रही है और छोटे शहरों एवं कस्बों के लोग उद्यमी बन रहे हैं। उल्लेखनीय है कि एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले निजी स्टार्टअप को 'यूनिकॉर्न कंपनी कहा जाता है।

इंदौर में लोगों को मिला 60 रुपए लीटर पेट्रोल, शेख चिल्ली पम्प पर बंटे कूपन!

भोपाल। बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का अनोखा प्रदर्शन देखने को मिला. इंदौर के मरीमाता चौराहे पर शेख चिल्ली पम्प पर एक गजब स्टॉल देखने को मिला, जहां पर आम जनता को 60 रुपए लीटर पेट्रोल दिया गया. इसके लिए लोगों को कूपन दिए गए. इंदौर की विधानसभा 1 में कांग्रेस नेताओं ने बढ़ती महंगाई का विरोध किया. लोगो 60 रूपये प्रति लीटर में सस्ता पेट्रोल उपलब्ध करवाया. इस दौरान सस्ते पेट्रोल के लिए बढ़ी संख्या में आमजन इकठ्ठा हो गए, जिसके बाद मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों को यातायात ठीक करने और भीड़ पर काबू पाने के लिए आना पड़ा.बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस के द्वारा अलग-अलग तरीके से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है. इसी कड़ी में गुरुवार को विधानसभा 1 के मरीमाता चौराहे पर कांग्रेस के नेताओं ने शेखचिल्ली पेट्रोल पंप का स्टॉल लगाया, जहां पर उन्होंने आम जनता को 60 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल के कूपन वितरित किये, जिसके माध्यम से आम जनता कूपन लेकर नजदीकी पेट्रोल पंप से 60 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से पेट्रोल भरवा सकती है. इस सस्ते पेट्रोल के पीछे कांग्रेस के नेताओं का तर्क है कि प्रदेश में पेट्रोल का जो मूल भाव है वह 60 रुपये के आसपास है और बाकी जो भी पैसे प्रति लीटर आम जनता से लिए जा रहे हैं, वह कर के रूप में राज्य सरकार और केंद्र सरकार खजाने भरने का काम कर रही है. वहीं आम जनता को पेट्रोल के मूल भाव और शासन की नीतियों से अवगत कराने का उद्देश्य से यह सस्ता पेट्रोल दिया जा रहा है.

नेपाल में एक विमान लापता, चार भारतीयों समेत 22 लोग हुए थे सवार

काठमांडू। नेपाल के पर्यटन शहर पोखरा से उड़ान भरने के बाद एक छोटा नेपाली निजी विमान पर्वतीय इलाके में रविवार सुबह लापता हो गया, जिसमें चार भारतीयों समेत 22 लोग सवार हुए थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'तारा एयर' विमानन कंपनी के एक प्रवक्ता ने बताया कि 'तारा एयर' ने 'ट्विन ओट्टर 9एन-एईटी' विमान ने पोखरा से पूर्वाह्न सवा 10 बजे उड़ान भरी थी, लेकिन 15 मिनट बाद ही उसका टॉवर से संपर्क टूट गया। प्रवक्ता ने बताया कि विमान में चार भारतीय, दो जर्मन और 13 नेपाली यात्रियों के अलावा चालक दल के तीन नेपाली सदस्य सवार थे।

चालक दल के सदस्यों का नेतृत्व कैप्टन प्रभाकर प्रसाद घिमिरे कर रहे थे। विमानन सूत्रों ने बताया कि विमान को पश्चिमी पर्वतीय इलाके में जोमसोम हवाई अड्डे पर उतरना था, लेकिन पोखरा-जोमसोम हवाई मार्ग पर घोरेपानी के ऊपर आसमान में विमान का टॉवर से संपर्क टूट गया। जोमसोम हवाई अड्डे में एक हवाई यातायात नियंत्रक के अनुसार, जोमसोम के घासा में एक जोरदार आवाज सुनाई देने की अपुष्ट खबर मिली है।

'माय रिपब्लिका' अखबार ने मुस्तांग के पुलिस उपाधीक्षक राम कुमार दानी के हवाले से बताया कि इस बात का संदेह है कि विमान धौलागिरी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। दानी ने बताया कि विमान की तलाश के लिए जोमसोम से एक हेलीकॉप्टर भेजा गया है।

मालदा में फिर भड़की हिंसा! कई मकानों में तोड़-फोड़, देसी बम फेंके गए

इंग्लिश बाजार (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में तृणमूल कांग्रेस के दो गुटों के बीच झड़प के दौरान देसी बम फेंके गए और कई मकानों में तोड़-फोड़ की गई, जिसके कारण इलाके में तनाव पैदा हो गया। पंचायत समिति के पदाधिकारी सैफुद्दीन शेख के नेतृत्व में तृणमूल कार्यकर्ताओं के एक समूह की पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष नासिर अली के नेतृत्व वाले धड़े से माणिकचक ब्लॉक के गोपालपुर बालूटोला इलाके में शनिवार को झड़प हो गई। पुलिस ने बताया कि इस दौरान देसी बम फेंके गए और कम से कम 12 मकानों में तोड़-फोड़ की गई। उन्होंने बताया कि इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अभी किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

मोदी सरकार नौकरियां छीनने में सक्षम : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को भारतीय रेल में गैर संरक्षा श्रेणी के 91 हजार से अधिक पदों पर भविष्य में कभी भर्ती नहीं होने के दावे वाली खबर का हवाला देते हुए फेसबुक पोस्ट में कहा, 'मोदी सरकार नयी नौकरियां देने में तो नहीं, लेकिन बची हुई नौकरियां छीनने में ज़रूर सक्षम है।

ज्ञानवापी मामले में तारिक फतह का बड़ा बयान

चोरी की जमीन पर मस्जिद बनाना इस्लाम में उचित नहीं

वाराणसी। ज्ञानवापी मामले को लेकर वाराणसी जिला जज की अदालत में सुनवाई शुरू हो चुकी है। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन का कहना है कि ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे मामले में प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 नहीं लागू होता है। कशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानवापी मस्जिद विवाद मामले में एक और याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई है।

अश्विनी उपाध्याय ने याचिका दायर कर मांग की है कि उनका पक्ष भी सुना जाए। एक तरफ जहां ज्ञानवापी मामले को लेकर लड़ाई कानूनी रूप ले चुकी है वहीं इसको लेकर बयानबाजी का दौर भी लगातार जारी है। तारिक फतह ने ज्ञानवापी मामले को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि ज्ञानवापी मस्जिद नहीं है, बल्की वह मंदिर था। पाकिस्तान मूल के कनाडाई लेखक तारिक फतह ने एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहा कि कुरान में एक बड़ी ही साफ लाइन है कि सच बोलो। चाहे उसके लिए जान भी क्यों न चली जाए। ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने में मिली पत्थर की ठो संरचना को फव्वारा बताने वालों से सवाल करते हुए फतह ने पूछा कि वो ये बताएं कि 400 साल पहले वो कैसे बना। तब तो फ्लैट जमीन में फव्वारा बनाने की तकनीक भी नहीं थी। तारिक फतह ने कहा कि इबादत के लिए झूठ क्यों बोल रहे हैं? जो भाईचारा चाहते हैं, वो अपना दिल बड़ा करें।

तारिक फतह ने कहा कि सब जानते हैं कि अपने भाइयों के कातिल और बाप को जेल में डालने वाले औरंगजेब ने मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई थी। फतह ने कहा कि औरंगजेब ने कितने मुसलमानों को मारा इस बात का पता क्यों मुस्लिमों को नहीं है। अवैध कब्जा करके या चोरी की जमीन पर मस्जिद बनाना इस्लाम में उचित नहीं है। ज्ञानवापी मस्जिद नहीं है बल्कि वो मंदिर था। फतह ने इसका साथ ही उसे सौंप देने की भी बात कही।

मंदिर वहीं बन रहा, तारीख भी आ गई, राम लला गर्भगृह में होंगे विराजमान

फैजाबाद। अयोध्या भारत की विरासत, परंपरा, सांस्कृतिक इतिहास और धार्मिक मूल्यों में गहरे तक धंसा हुआ है। अयोध्या वीतरागी है। अयोध्या की कलकल बहती सरयू की धार में एक तरह की निसंगता है। भक्ति में डूबी अयोध्या का चरित्र अपने नायक की तरह ही धीर, शांत और निरपेक्ष है। जाद भारत में अयोध्या को लेकर बेइंतहां बहसें हुईं। साथ ही अयोध्या का जिक्र होता है तो राम मंदिर आंदोलन का भी जिक्र होता है। साथ ही एक नारे का भी राम लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। लेकिन अक्सर विरोधियों की तरफ से तंज भरे स्वर कटाक्ष करते हुए कहा जाता था कि 'तारीख नहीं बताएंगे'। लेकिन रमालला के नाम जमीन के हक पर हस्ताक्षर के साथ ही वो तारीख भी आ गई जिसकी प्रतीक्षा प्रमु राम के वनवास से भी बड़ी हो गई थी। अयोध्या में राम लला के गर्भगृह में विराजमान होने की तारीख हो गई। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास जी महाराज ने इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि 24 जनवरी को राम लला गर्भगृह में विराजमान होंगे। आचार्य सत्येंद्र दास जी ने कहा कि गर्भगृह लाल पत्थर से बन रहा हैज मंदिर की प्रगति का कार्य 2023 में पूरा हो जाएगा। शुभ मुहूर्त जनवरी 24, 2024 को पड़ रहा है। इस दिन राम लला गर्भगृह में विराजमान होगें। प्रभु राम तो राम हैं ऐसे में राम के साथ 'लला' शब्द कैसे जुड़ गया इसकी कहानी आपको बताते हैं। 1949 में बाबरी मस्जिद वहां पर हुआ करती थी। गुंबद के ठीक नीचे राम की प्रतिमा रख दी गई। ये प्रतिमा राम के बाल रूप की थी। अगली सुबह पूरे इलाके में खबर फैल गई कि रामलला प्रकट हुए हैं। मूर्ति रखने वाले क्योंकि गुबंद के नीचे राम के जन्म की बात को बल देना चाहते थे। तो उन्होंने राम के साथ लला लगाया। संदेश ये कि राम प्रकट हुए छोटे बालक हैं लला हैं।

शौचालयों पर मुगल शासकों के नाम लिखने के मामले में 2 पर मुकदमा दर्ज, एक गिरफ्तार

जालौन। उत्तर प्रदेश के जालौन में अराजकतत्वों ने सामुदायिक शौचालयों की दीवारों पर मुगल शासकों के नाम लिखकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की थी. इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया गया था. जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो युवकों पर मुकदमा दर्ज कर एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है. बीते 23 मई को अराजतत्वो तत्वों द्वारा शहर का माहौल बिगाड़ने के लिए 7 पेशाब घरो पर पेंट कराकर मुगल शासकों का नाम पेशाब घरों के बाहर लिखा था.बता दें कि जालौन जिले के अलग-अलग स्थानों पर सामुदायिक शौचालयों में कपिल नाम के एक शख्स ने अपनी सोशल नेटवर्किंग साइट से कुछ तस्वीरों को सांझा किया था. फोटो वायरल होने के बाद राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने इसका विरोध किया था. वहीं, तस्वीरों को शेयर करते हुए यूजर ने लिखा था, मुझे देखकर सुकून मिला और आपका क्या ख्याल है? नगर में नए शौचालय और पेशाब घर उपलब्ध हैं इस्तेमाल करें। दरअसल, जालौन जिला मुख्यालय उरई में नगर के शौचालयों पर मोहम्मद गजनवी, अकबर, औरंगजेब, हुमायूं, और अलाउद्दीन खिलजी के नाम लिख दिया था. जैसे ही नगर पालिका और जिला प्रशासन को जानकारी मिली, वैसे ही नगर पालिका के अधिकारी और पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर उसे मिटवाया था.एएसपी जालौन असीम चौधरी ने बताया कि कुछ दिन पहले जालौन के सार्वजनिक शौचालयों पर मुगल शासकों के नाम लिखे जाने का मामला सामने आया था. पुलिस ने साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले दो युवकों पर मुकदमा दर्ज कर एक युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है. बीते 23 मई को अराजतत्वो ने शहर के 7 पेशाब घरो पर पेंट कराकर मुगल शासक हिमांयू, औरंगजेब ,अकबर और खिलजी का नाम लिखा था.

स्मार्ट शहरों वाला यूपी बनाने के लिए योगी सरकार ने खोला खजाना

लखनऊ। प्रदेश में स्मार्ट शहरों की लम्बी श्रृंखला बनाने में जुटी योगी सरकार ने अपने द्वितीय कार्यकाल के पहले वित्तीय बजट में नगर विकास विभाग को बड़ी सौगात दी है।

सरकार का मुख्य फोकस स्मार्ट सिटी योजना के तहत शहरों को सुंदर, स्वच्छ बनाने पर है। शहरों में बसने वाली जनता को मूलभूत सभी सुविधाएं उपलब्ध कराना भी सरकार का उद्देश्य है। इस कार्य को आगे बढ़ाते हुए गुरुवार को बजट सत्र के दौरान प्रदेश सरकार ने केन्द्र स्मार्ट सिटी के तहत चयनित 10 शहरों के लिए 2000 करोड़ रुपए और राज्य स्मार्ट सिटी में चयनित 7 शहरों के लिए 210 करोड़ रुपए की व्यवस्था की है।

सीएम योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में विकास के पथ पर आगे बढ़ रहे यूपी में स्मार्ट सिटी मिशन योजना बड़ी उपलब्धि हासिल कर रही है। देश के प्रथम 20 शहरों में प्रदेश के 05 शहर शामिल हो चुके हैं। इसलिए सरकार ने इस योजना को वृहद रूप देने के लिए बजट में अधिक प्राविधान किया है। इसके साथ ही बजट में सरकार ने प्रदेश में नवसृजित उच्चीकृत और विस्तारित नगर निकायों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए 550 करोड़ रुपए की भी व्यवस्था की है। नगर विकास विभाग को प्रधानमंत्री आवास योजना-सबके लिये आवास (शहरी) योजना हेतु 10,127 करोड़ 61 लाख रुपए का बजट प्रस्तावित किया है।

मलिन बस्तियों और नगर पंचायतों को मिलेंगी और अधिक सुविधाएं

योगी सरकार ने प्रदेश में मलिन बस्तियों के विकास और नगर पंचायतों में सुविधाओं को बढ़ाने के लिए बजट में प्राविधान किया है। नगर पंचायतों के विकास के लिए सरकार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना के तहत 200 करोड़ रुपए और मुख्यमंत्री नगरीय अल्प विकसित व मलिन बस्ती योजना के लिए बजट में 215 करोड़ रूपये की व्यवस्था की गई है।

योगी सरकार ने प्रदेश में भारत सरकार की स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) योजना के लिए बजट में 1353 करोड़ 93 लाख रुपए प्रस्तावित किये हैं। सरकार की मंशा योजना के तहत शहरों को और अधिक स्वच्छ बनाने की है।

भारत सरकार की प्रत्येक घर को नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की सुविधा दिए जाने की योजना को रफ्तार देने के लिए सरकार ने बजट जारी किया है। अमृत 2.0 के लिए 2000 करोड़ रुपए प्रस्तावित किये हैं। जबकि पूर्व से चल रही अमृत योजना के कार्यों के लिए 2200 करोड़ रुपए की बजट में व्यवस्था की है।

सरकार का प्रयास बेसहारा पशुओं का आश्रय देना है। ग्राम पंचायतों में पशुओं के लिए कान्हा गोशाला और पशु आश्रय स्थल खोले जा रहे हैं। सरकार ने बजट में इसके लिए बजट में कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना के लिए 100 करोड़ रुपए की व्यवस्था की है

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

वेश्यावृत्ति भी एक पेशा, पुलिस नहीं कर सकती परेशान

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक अहम फैसला दिया. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वेश्यावृत्ति भी एक प्रोफेशन है और पुलिस को उनके काम में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को सेक्स वर्कर्स के लिए कुछ सिफारिशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं. सेक्स वर्कर्स की परेशानियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर हुई थी, उसी पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उक्त आदेश दिया है.

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सेक्स वर्कर्स भी कानून के तहत गरिमा और सुरक्षा के हकदार हैं. कोर्ट ने कहा कि जब यह साफ हो जाए कि सेक्स वर्कर व्यस्क है और सहमति से यह काम कर रहा है तो पुलिस को उसके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई से बचना चाहिए. जब भी कोई सेक्स वर्कर्स पुलिस में कोई शिकायत करते हैं तो पुलिस को इसे गंभीरता से लेना चाहिए और कानून के अनुसार काम करना चाहिए.जस्टिस एल नागेश्वर राव, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एएस बोपन्ना की बेंच ने याचिका पर सुनवाई करते हुए उक्त आदेश दिया है. लाइव लॉ की खबर के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि जब भी किसी वेश्यालय पर छापा मारा जाता है तो संबंधित सेक्स वर्कर्स को गिरफ्तार या दंडित, परेशान नहीं करना चाहिए क्योंकि स्वैच्छिक यौन कार्य अवैध नहीं है सिर्फ वेश्यालय चलाना अवैध है.कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार को सेक्स वर्कर्स के लिए कोई नीति या योजना बनाते हुए समय उनके प्रतिनिधियों को भी शामिल करना चाहिए, जिससे उनके भी विचार लेकर कोई फैसला किया जा सके.कोर्ट ने ये भी कहा कि किसी सेक्स वर्कर को सिर्फ इस आधार पर उसके बच्चे से अलग नहीं किया जा सकता क्योंकि वह देह व्यापार में है. साथ ही यदि कोई नाबालिग वेश्यालय में सेक्स वर्कर्स के साथ रह रहा है तो ये नहीं माना जाना चाहिए कि उसे तस्करी कर लाया गया है, वह सेक्स वर्कर का बेटा/बेटी भी हो सकता है और यदि परीक्षण में यह साबित हो जाता है तो उसे जबरन अलग नहीं किया जा सकता.कोर्ट ने इन सिफारिशों पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है. केंद्र सरकार को जवाब देने के लिए 27 जुलाई तक का समय दिया गया है.

अपराधी कोई हो उसके खिलाफ कत्तई बर्दाश्त नहीं, नीति के तहत ही कार्रवाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सदन के नेता और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जोर देकर कहा कि अपराध किसी प्रकार का हो वह अक्षम्य है और खासकर महिला अपराध पर सरकार अपराधियों के खिलाफ कठोरतापूर्वक कार्रवाई कर रही है। योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव द्वारा राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध का मामला सदन में उठाये जाने के बाद कहा, यह भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, यहां यह नहीं कहा जाता है कि लड़के हैं, गलती कर देते हैं। उल्लेखनीय है कि काफी पहले महिला अपराध के एक मामले में समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने कहा था कि लड़के हैं गलती हो जाती है।योगी ने बिना किसी का नाम लिए सपा प्रमुख और नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, अगर अपराधी है, चाहे वह कोई भी है, उसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत ही कार्रवाईहोती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष इस बात को समझते भी हैं और स्वीकार भी किया है कि कार्रवाई हुई है। विधानसभा में शून्यकाल में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने महिलाओं के साथ सबसे ज्यादा अपराध होने का दावा करते हुए इलाहाबाद, चंदौली, सिद्धार्थनगर और ललितपुर में महिलाओं के साथ हुई आपराधिक घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जो सरकार जीरो टॉलरेंस की बात करती है उसमें पुलिस मनमानी कर रही है ललितपुर थाने में एक दुष्कर्म पीड़िता के साथ थानाध्यक्ष द्वारा दुष्कर्म किये जाने की घटना की ओर ध्यान दिलाते हुए यादव ने कहा कि नेता सदन ललितपुर गये और मामले में कार्रवाई हुई। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, सदन के नेता सच बोलते हैं, मुझे बहुत अच्छा लगा, मैं उस मीटिंग में मौजूद नहीं था लेकिन मुझे तो अखबारों के माध्यम से पता चला कि वहां जब अधिकारियों की शिकायत हुई और सरकार की शिकायत की गई तो नेता सदन ने कहा कि आप लोग दलाली छोड़ दो, अधिकारियों को मैं सुधार दूंगा। मैं अपने नेता सदन का बहुत धन्यवाद देता हूं। नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा कि पांच साल तक दलाली चलती रही, नेता सदन को पता ही नहीं चला। किन अधिकारियों को सुधार दिया। मैं इस विषय को इसलिए उठा रहा हूं क्योंकि मैं खुद गया ललितपुर और जब वहां सूचना पाई कि एक बेटी के साथ ऐसी घटना हुई और सरकार ने कार्रवाई की तो क्या सरकार यह बताएगी कि घटना न हो इसके लिए सरकार क्या कर रही है। योगी ने नेता प्रतिपक्ष पर पलटवार करते हुए जवाब दिया कि अगर अपराधी है चाहे वह कोई भी है, उसके खिलाफ कत्तई बर्दाश्त नहीं की नीति के तहत ही कार्रवाई होती है।

सम्पादकीय

विजय तिवारी
प्रधान संपादक

सजा का संदेश

आखिरकार एनआईए कोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक को कबूले गये जुर्मों के चलते उम्रकैद की सजा सुना दी है। उस पर दस लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। संभवतः अपराधों की स्वीकृति के चलते मलिक जीवन रक्षा करने में सफल रहा। अन्यथा जिन गंभीर अपराधों में उसकी अतीत में संलिप्तता रही है, वह बड़ी सजा का हकदार था। बहरहाल, राजग सरकार के केंद्र में सत्ता में आने के बाद अलगाववादियों के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति के चलते न केवल जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक स्वरूप में बदलाव आया है बल्कि पथराव, घुसपैठ और अलगाववादियों के समांतर शासन की मंशा पर भी अंकुश लगा है। केंद्र की सख्ती और एनआईए की सक्रियता के चलते भारत विरोधी अभियान चलाने में मिलने वाली विदेशी फंडिंग का खुलासा हुआ था, जिसमें मलिक की संलिप्तता पायी गई थी। निस्संदेह, मलिक अतीत में घाटी में हुई तमाम हिंसक वारदातों में शामिल रहा था जिसमें वायुसेना के जवानों की हत्या, पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी के अपहरण और घाटी में कश्मीरी पंडितों के पलायन से जुड़ी हिंसक घटनाएं शामिल रही हैं। बताया जाता है कि मलिक पर्दे के पीछे से आतंकी घटनाओं की योजनाएं बनाने और उन्हें अंजाम देने में भूमिका निभाता रहा है। बताते हैं कि सुनवाई के दौरान कई ऐसे आरोपों को उसने स्वीकार भी किया। विडंबना यह है कि विगत में जेल से छूटने के बाद यासीन मलिक ने खुद को शांति की राह पर चलने वाला गांधीवादी तक कहना शुरू कर दिया। इसके चलते पिछले दशकों में उसे विदेश जाने तक का मौका दिया। ऐसी स्थिति में अदालत ने सोलह आने सच कहा कि मलिक को खुद को शांतिवादी कहने का अधिकार नहीं है क्योंकि हिंसा त्यागने के दावे के बावजूद उसने कश्मीर की हिंसक घटनाओं की निंदा तक नहीं की। बहरहाल, इस घटना का घाटी में साफ संदेश जायेगा कि भारत की संप्रभुता को चुनौती देने वाले किसी शख्स को बख्शा नहीं जायेगा।

मलिक की सजा के बाद घाटी में हुई प्रतिक्रिया को यह संदेश जाने के रूप में देखा जाना चाहिए। अब प्रयास होना चाहिए कि आम लोगों को कैसे अलगाववादी नेताओं के संजाल से अलग-थलग करके राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ा जाये। वहीं दूसरी ओर घाटी में शांति स्थापना के लिये जरूरी है कि यथाशीघ्र लोकतांत्रिक प्रक्रिया को गति दी जाये। इस दिशा में केंद्र सरकार पहले ही गतिशील है। जाहिर है अपने जनप्रतिनिधि चुनकर लोग राज्य के विकास में भूमिका निभा सकेंगे। साथ ही विदेशों से अलगाववादी नेताओं को मिलने वाली किसी भी तरह की मदद पर सख्त निगरानी की भी जरूरत है। इस दिशा में एनआईए की सक्रियता की ही परिणति थी कि यासीन मलिक को सजा हो पायी है। कह सकते हैं कि पिछले साढ़े तीन दशक में घाटी में जो आतंकवाद का उफान आया उसकी एक वजह देश के राजनीतिक नेतृत्व का ढुलमुल रवैया भी रहा। खासकर कश्मीर के मामले में पाक की भूमिका को लेकर स्पष्ट नीति न होने के चलते। साथ ही पाक से अलगाववादी संगठनों को मिलने वाली फंडिंग पर भी समय रहते रोक नहीं लगाई जा सकी ।

हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुंबई के मझगांव डॉक में दो स्वदेशी युद्धपोतों सूरत और उदयगिरि का जलावतरण किया। इस अवसर पर उनके साथ नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरिकुमार मौजूद थे। इस सफलता से भारतीय नौसेना के आयुध भंडार की ताकत बढ़ेगी।

स्वदेशी तकनीक से बढ़ती जा रही मारक क्षमता

भारत सामुद्रिक सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। अपने देश में ही युद्धपोतों, पनडुब्बियों एवं एंटीशिप मिसाइलों का निर्माण और सफलतापूर्वक परीक्षण इस दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी। हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुंबई के मझगांव डॉक में दो स्वदेशी युद्धपोतों सूरत और उदयगिरि का जलावतरण किया। इस अवसर पर उनके साथ नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरिकुमार मौजूद थे। इस सफलता से भारतीय नौसेना के आयुध भंडार की ताकत बढ़ेगी। ये युद्धपोत दुनिया के तकनीकी रूप से सबसे उन्नत मिसाइल वाहक साबित होंगे। इस उपलब्धि से भारत आने वाले समय में न केवल अपनी जरूरतें पूरी करेगा बल्कि दुनिया के कई अन्य देशों की युद्धपोत निर्माण की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। इससे मेक इन इंडिया तथा मेक फॉर द वर्ल्ड की परिकल्पना भी साकार होगी। इस सफलता से यह भी सुनिश्चित हो गया है कि अब भारत की पहुंच हिन्द महासागर से प्रशान्त महासागर और अटलांटिक महासागर तक हो जाएगी। इसके अलावा नौसेना की पुराने पोतों पर निर्भरता कम हो जाएगी।

निस्संदेह युद्धपोतों के निर्माण की प्रक्रिया अत्यन्त कठिन होती है तथा इसमें बड़े पैमाने पर तकनीक व कौशल का समावेश होता है। अब जिस गति से युद्धपोत बनाए जा रहे हैं उससे यह स्पष्ट है कि भारत का युद्धपोत निर्माण कार्यक्रम अपनी सक्षमता को प्राप्त कर चुका है। इस क्षमता के कारण ही विगत तीन वर्षों में देश में बने तीन युद्धपोतों को नौसेना के बेड़े में शामिल किया जा चुका है। पिछले पांच वर्षों में नौसेना के आधुनिकीकरण के बजट का दो-तिहाई से अधिक का हिस्सा स्थानीय आपूर्ति पर खर्च हुआ है। वर्ष 2014 में मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत नौसेना ने ज्यादातर ठेके भारतीयों को ही दिए थे। तब से अब तक नौसेना की जरूरतों का 90 प्रतिशत सैन्य साजो-सामान स्वदेशी निर्माता ही उपलब्ध करवा रहे हैं। नौसेना ने अपनी जरूरत के लिए जिन 41 युद्धपोतों व पनडुब्बियों का ऑर्डर दिया है उनमें से 39 का निर्माण भारत में ही हो रहा है।

ये दोनों युद्धपोत मेक इन इंडिया के तहत भारत में निर्मित किए गए हैं। मझगांव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने कहा कि इतिहास में पहली बार स्वदेश निर्मित दो युद्धपोतों को एक साथ लॉन्च किया गया है। इन दोनों युद्धपोतों को नौसेना डिजाइन निदेशालय (डीएनडी) द्वारा इन हाउस डिजाइन किया गया है और एमडीएल मुम्बई द्वारा बनाया गया है। विदित हो कि युद्धपोत सूरत प्रोजेक्ट 15बी कार्यक्रम के तहत बनाया जाने वाला चौथा विध्वंसक पोत है, जिसमें राडार को चकमा देने की अधुनातन प्रणाली लगी हुई है। प्रोजेक्ट 15बी श्रेणी के पोत भारतीय नौसेना की अगली पीढ़ी के स्टील्थ निर्देशित मिसाइल विध्वंसक है।

सूरत कोलकाता श्रेणी के विध्वंसक पोत के महत्वपूर्ण बदलाव का सूचक है। दूसरा पोत उदयगिरि प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट कार्यक्रम का हिस्सा है। यह प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट का तीसरा युद्धपोत है। यह शिवालिक श्रेणी का उन्नत संस्करण है जो बेहतर हथियार, सेंसर एवं मंच प्रबंधन प्रणाली से लैस है।स्वदेशी युद्धपोत सूरत का वजन 7400 टन है। इसकी लम्बाई 163 मीटर है। यह 45 दिन तक समुद्र के भीतर रह सकता है। इस पोत पर 4 इंटरसेप्टर बोट, 250 जवान एवं 50 नौ सैनिक अधिकारी एक साथ रह सकते हैं। सूरत युद्धपोत 56 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से समुद्री दूरी तय कर सकता है। एक बार ईंधन लेने के बाद यह समुद्र में 7400 किलोमीटर की दूरी का सफर तय कर सकता है। यह राडार को चकमा देने में माहिर है। इस युद्धपोत पर ब्रह्मोस जैसी आधुनिक मिसाइलें, एंटी सब मरीन लॉन्चर जैसे आधुनिक हथियार तैनात किए जा सकते हैं। इसी तरह उदयगिरि भी कुछ कम नहीं है। यह आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एवं उन्नत हथियारों से लैस युद्धपोत है। इस पर ध्रुव और वेस्टलैंड सी-किंग जैसे हेलीकॉप्टर तैनात किए जा सकते हैं। इसके अलावा इसमें ब्रह्मोस मिसाइल, बराक-8 ईआर मिसाइल एवं एंटी सबमरीन लांचर तैनात किए जाने की क्षमता है। भारतीय नौसेना द्वारा 18 मई को पहली बार स्वदेशी तकनीक वाली एंटी-शिप मिसाइल का परीक्षण किया गया। यह परीक्षण रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के सहयोग से किया गया जो कि सफल रहा। मिसाइल ने परीक्षण के दौरान सभी तय मानकों को पूरा करते हुए लक्ष्य पर सटीक निशाना साधा। इसका परीक्षण नौसेना के हेलीकॉप्टर 'सी किंग 42 बी' से किया गया।

इस सफलता से यह भी सुनिश्चित हो गया है कि अब भारत की पहुंच हिन्द महासागर से प्रशान्त महासागर और अटलांटिक महासागर तक हो जाएगी। इसके अलावा नौसेना की पुराने पोतों पर निर्भरता कम हो जाएगी।

निस्संदेह युद्धपोतों के निर्माण की प्रक्रिया अत्यन्त कठिन होती है तथा इसमें बड़े पैमाने पर तकनीक व कौशल का समावेश होता है। अब जिस गति से युद्धपोत बनाए जा रहे हैं उससे यह स्पष्ट है कि भारत का युद्धपोत निर्माण कार्यक्रम अपनी सक्षमता को प्राप्त कर चुका है।

यह परीक्षण काफी खास है क्योंकि इस मिसाइल सिस्टम में अनेक अत्याधुनिक उपकरण लगे हैं। यह समुद्र की ऊपरी सतह से थोड़ा ऊपर उठकर तेज गति से लक्ष्य की ओर जाती है, जिससे यह राडार की पकड़ में नहीं आती है। ऊंचाई कम होने के कारण शत्रु इसे मारकर गिरा नहीं सकता। हवा से लांच की जाने वाली यह मिसाइल नौसेना के हेलीकॉप्टरों पर लगाई जाएगी। इससे नौसेना काफी ताकतवर हो जाएगी।

वीर सावरकर

भारत की भूमि पर जन्मा,
विनायक दामोदर सावरकर
ऐसा वीर किरदार कहलाया है।
सावरकर का हर एक कदम,
विश्व में पहले स्थान पर आया है।
भारत मां को समर्पित जीवन,
हिंदुत्व का इतिहास बनाया था।
सर्वप्रथम उसने ही विदेशी वस्त्रों की होली जला ,
स्वदेशी होने का मान बढ़ाया था।
दुनिया का वह पहला कवि था।
जेल को दीवारों को कागज
और कील- कोयले को कलम बनाया था।
पूर्ण स्वतंत्रता आंदोलन का लक्ष्य,
सर्वप्रथम उसने ही घोषित कर दिखलाया था।
भारत की भूमि पर जन्मा,
कलम जिसकी सत्य को ना झुठला पाई थी।
जिसकी कृति 卐1857 का प्रथम स्वतंत्रता 卐को
दो देशों में प्रकाशन से पहले प्रतिबंधित कर
ब्रिटिश सरकार प्रकाशित करने की हिम्मत नहीं जुटा पाई थी।
भारत की भूमि पर जन्मा,
ऐसा वीर किरदार कहलाया है।
सावरकर का हर एक कदम,
विश्व में पहले स्थान पर आया है।
राष्ट्र ध्वज तिरंगे में धर्म चक्र बन
उनके विचार जगमगायेंगे।
देश की माटी के लिए ,
वीर सावरकर के बलिदान को ,
भूल नहीं हम पायेंगे।।

प्रीति शर्मा असीम

भारत में ड्रोन क्रांति की दस्तक - भविष्य का ड्रोना-चार्य भारत!!

एड किशन भावना

दो दिवसीय भारत ड्रोन महोत्सव 2022 की करें तो एक जमाना था जब कंप्यूटर क्राति की ऐसी दस्तक हुई थी और आज बिना कंप्यूटर के मानवीय जीवन ही कठिन महसूस होता है अब उसके दो कदम आगे आज से भारत में ड्रोन क्राति की दस्तक हुई है अब भविष्य का ड्रोना-चार्य भारत बनने जा रहा है!

दो दिवसीय भारत ड्रोन महोत्सव 2022

गोंदिया। वैश्विक स्तरपर आधुनिक तकनीकी के युग में एक ऐसा दौर चल पड़ा है कि हर क्षेत्र में, हर कार्य मानव संपर्क से हटाकर प्रौद्योगिकी संपर्क हो चुका है। कुछ देशों में तो चलते फिरते मानव तक बना दिए गए हैं जिसे रोबोट का नाम दिया गया है, वह लगभग हर मानवीय कार्य रिमोट के सहारे करते हैं बस फर्क इतना है कि उनमें मानवीय कुदरती जान नहीं है सृष्टिगत मानवीय जान का रिमोट ऊपर वाले के हाथ में है और इन रोबोट का रिमोट कुशाग्र बुद्धि के मालिक तकनीकीज्ञ के पास है।

साथियों बात अगर हम पीएम द्वारा दिनांक 27 मई 2022 को प्रगति मैदान दिल्ली में शुरू भारत ड्रोन महोत्सव 2022 के उद्घाटन की करें तो मेरा मानना है कि यह महोत्सव भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र का बहुत बड़ा उत्सव है जहां ड्रोन टेक्नोलॉजी को लेकर भारत में उत्साह देखने को मिल रहा है और उपस्थित इंजीनियरों, तकनीकीज्ञों, किसानों में जो उत्साह दिख रहा है अद्वितीय है!! ऐसी ऊर्जा नजर आ रही है कि यह उत्सव ड्रोन सर्विस और ड्रोन आधारित इंडस्ट्री की लंबी छलांग का प्रतिबिंब हो!! भारत एक कृषि और गांव प्रधान देश है जहां वर्तमान परिस्थितियों को रेखांकित करते हुए ड्रोनतकनीकी का विस्तृत स्तर तक प्रोत्साहित कर मानवीय जीवन को सुचारू रूप से सुशासन के माध्यम से एक स्मार्ट टूल दिया गया है जो आम लोगों के जीवन का हिस्सा बनने जा रहा है!!

साथियों बात अगर हम दो दिवसीय भारत ड्रोन महोत्सव 2022 की करें तो एक जमाना था जब कंप्यूटर क्रांति की ऐसी दस्तक हुई थी और आज बिना कंप्यूटर के मानवीय जीवन ही कठिन महसूस होता है अब उसके दो कदम आगे आज से भारत में ड्रोन क्रांति की दस्तक हुई है अब भविष्य का ड्रोना-चार्य भारत बनने जा रहा है!! अब ड्रोन टैक्सी रिक्शा सहित अनेक साधनों, संसाधनों का पर्याय ड्रोन की मदद होगी याने पीएम ने अपने संबोधन में 2030 तक भारत को ड्रोन हब बनाने की बात कही है ऐसा मीडिया में बताया गया है।

ड्रोन टेक्नोलॉजी कैसे एक बड़ी क्रांति का आधार बन रही है, इसका एक उदाहरण पीएम स्वामित्व योजना भी है। इस योजना के तहत पहली बार देश के गांवों की हर प्रॉपर्टी की डिजिटल मैपिंग की जा रही है, डिजिटल प्रॉपर्टी कार्ड लोगों को दिए जा रहे हैं। इसमें मानवीय संपर्क कम हुआ है, और भेदभाव की गुंजाइश खत्म हुई है। इसमें बड़ी भूमिका ड्रोन की रही है। थोड़ी देर पहले मुझे भी स्वामित्व ड्रोन उड़ाने का, उसकी टेक्नोलॉजी समझने का अवसर मिला है। थोड़ी देर उसके कारण भी हो गई। मुझे खुशी है कि ड्रोन की मदद से अभी तक देश में लगभग 65 लाख प्रॉपर्टी कार्ड जेनरेट हो चुके हैं। और जिसको ये कार्ड मिल गया है, उसको संतोष है कि हां मेरे पास मेरी जितनी जमीन है, मेरे पास सही डिटेल मिल गई है। पूरे संतोष के साथ उन्होंने इस बात को कहा है। वरना हमारे यहां अगर छोटी सी जगह की नाप-नपाई भी होती है, तो उसमें सहमति बनाने के लिए सालों-साल लग जाते हैं।

पीएम ने रक्षा, आपदा प्रबंधन, कृषि, पर्यटन, फिल्म और मनोरंजन के क्षेत्र में ड्रोन प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इस तकनीक का इस्तेमाल बढ़ना तय है। उन्होंने प्रगति की समीक्षाओं और के दारनाथ परियोजनाओं के उदाहरणों के माध्यम से अपने आधिकारिक निर्णय लेने में ड्रोन के इस्तेमाल के बारे में भी बताया।

उन्होंने कहा कि पहले के समय में टेक्नोलॉजी और उससे हुए इन्वेंशन, एलीट क्लास के लिए माने जाते थे। उन्होंने कहा कि आज हम टेक्नोलॉजी को सबसे पहले आम लोगों को उपलब्ध करा रहे हैं। कुछ महीने पहले तक ड्रोन पर बहुत सारे रिस्ट्रिक्शंस थे। हमने बहुत ही कम समय में अधिकतर रिस्ट्रिक्शंस को हटा दिया है। हम पीएलआई जैसी स्कीम्स के जरिए भारत में ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग का एक सशक्त इको-सिस्टम बनाने की तरफ भी बढ़ रहे हैं। अंत में प्रधानमंत्री ने कहा, तकनीक जब जन-जन तक जाती है तो उसके उपयोग की संभावनाएं भी उसी के अनुसार बढ़ जाती हैं।

उन्होंने भू-अभिलेखों से लेकर बाढ़ और सूखा राहत तक की गतिविधियों के संबंध में राजस्व विभाग पर निरंतर निर्भरता के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि इन सभी मुद्दों से निपटने के लिए ड्रोन एक प्रभावी उपकरण के रूप में उभरा है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि कृषि क्षेत्रों की मदद के लिए किए गए उपायों ने सुनिश्चित किया है कि प्रौद्योगिकी अब किसानों के लिए डराने वाली नहीं है।

अत:अगर हम उपरोक्त पूरा विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि दो दिवसीय भारत ड्रोन महोत्सव 2022 शुरु है। भारत में ड्रोन क्रांति की दस्तक - भविष्य का ड्रोना-चार्य भारत! देश को नई ताकत गति और ऊंचाई प्रदान करने प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण उपकरण है।

पूर्वांचल के विकास से तमतमाए नेता प्रतिपक्ष !

नए विधान सभा सत्र में उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के लिए एक और बजट प्रस्तुत किया । यह बजट पूर्वांचल के विकास हेतु महत्वपूर्ण माना जा रहा जिसमें गोरखपुर और बनारस के लिए बहुत कुछ है । बजट प्रस्तुत होने के बाद कई लोगो ने बजट की समीक्षा की और इसे बेहतर बताया । बजट पर बोलते हुए उत्तर प्रदेश सरकार में आयुष राज्य मंत्री डॉक्टर दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा की हमारे क्षेत्र बनारस की चौमुखी विकास हेतु यह बजट बेहद अनुकरणीय है । अब बनारस को एक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और मेट्रो रेल परियोजना की सौगात मिल रही जिसके लिए बनारस की जनता योगी जी का धन्यवाद ज्ञापित करती है । वैसे इस विधान सभा सत्र में बजट के अलावा भूतपूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का अमर्यादित भाषा भक हट भक काफी चर्चा में है । जब बार बार अखिलेश पूर्वांचल के विकास की बात सुनते तो हर काम का श्रेय खुद लेने का विफल प्रयास करते रहे हैं उसी पर केशव मौर्य ने कहा कि क्या सैफई की ज़मीन बेच कर यह सब अखिलेश यादव ने किया है ? केशव मौर्य को भी भ्रष्टाचार की गंगा में डुबकी मारने तो आता है पर संसदीय भाषा में कैसे किसी पर भरपूर प्रहार किया जाता है , वह नहीं जानते। केशव मौर्य को अटल , आडवाणी , अरुण जेटली , सुषमा स्वराज जैसे अपनी ही पार्टी के नेताओं की लोकसभा की पुरानी क्लिपिंग देख कर यह कला सीखनी चाहिए। कल्याण सिंह और योगी की वक्तृता से भी प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्हें देखना चाहिए कि कभी एक हाथ में माला , एक हाथ में भाला का उद्घोष करने वाले योगी आदित्यनाथ ने खुद को कितना तो बदल लिया है। अब वह संसदीय वक्तृता में कितने तो परिपक्व और निपुण हो चुके हैं। कितनी सरलता और कितनी तैयारी से बहुत नरम हो कर मृदु हो कर अब अपनी बात कहते हैं। लगता ही नहीं कि यह वही आदमी है जो कभी आज़मगढ़ की सभा में खड़ा हो कर एक हाथ में माला , एक हाथ में भाला का उद्घोष करता था। योगी के भाषण में अब शेर भी कोट होने लगे हैं। क्रोध और आग की जगह उदारता और जल का तत्व दिखता है योगी में। इस तत्व को पाने के लिए आदमी का निजी जीवन में ईमानदार होना भी बहुत ज़रुरी है। सार्वजनिक जीवन में नैतिकता और शुचिता भी अनिवार्य तत्व है। तब जा कर यह नरमी , यह उदारता , यह गंगा जैसी कलकल मिलती है आदमी को। योगी अडिग तो होता ही है , अहंकार से भी दूर रहता है। मोह और लोभ से भी दूर होता है। केशव मौर्या को यह सब सीखना अभी शेष है। जिस दिन योगी के खिलाफ दुरभि-संधियां रचना छोड़ कर यह सब सीख जाएंगे , केशव मौर्य , तब कोई अखिलेश यादव उन से तू-तकार नहीं करेगा। उन के पिता तक पहुंचने की हिम्मत नहीं होगी किसी अखिलेश यादव की। आज देखा कि अखिलेश यादव लोहिया गान गा रहे थे। मैं जानता हूं कि अखिलेश यादव लोहिया का लो भी नहीं जानते।लोहिया और उन के विचारों को जानना तो बहुत दूर की कौड़ी है। लोहिया को तो अखिलेश के पिता मुलायम भी ठीक से नहीं जानते।लोहिया गैर कांग्रेसवाद की राजनीतिक लड़ाई लड़ते थे। संचय के खिलाफ थे पर मुलायम और अखिलेश बारंबार कांग्रेस शरणम गच्छामि हुए हैं। लोहिया नाम का निरंतर जाप करने वाले मुलायम , शिवपाल और अखिलेश तीनों ही लोहिया के संचय के खिलाफ़ होने की बात को लात मार कर अरबों की संपत्ति के मालिक हैं।लोहिया के नाम पर यह तीनों ही गाली हैं। लोहिया की सप्तक्रांति का निरंतर माखौल उड़ाते हैं। लोहिया कहते थे कि राम,कृष्ण और शिव भारत में पूर्णता के तीन महान स्वप्न हैं। मुलायम और अखिलेश का राम,कृष्ण और शिव से क्या नाता है , सब लोग जानते हैं। जो भी हो अखिलेश और मुलायम के भ्रष्टाचार की कहानियां , लोहिया गान के पीछे छुपने वाली नहीं हैं। इस लिए भी कि भाजपा ने अखिलेश के रावण को तीर मारने के लिए शिवपाल के रुप में एक विभीषण भी पा लिया है। यह बात अब हर कोई जानता है। क्या अखिलेश यादव इतना भी नहीं जानते ? या तभी जानेंगे जब कोई उन से भी कहेगा , ऐ अखिलेश , ऐ अखिलेश ! क्या तभी जानेंगे कि किसी का अपमान करना ऐसे भी होता है। बांस के खूंटे पर धधा कर ऐसे भी बैठा जाता है। जैसे अखिलेश यादव इन दिनों निरंतर बांस के खूंटे पर बैठने के अभ्यस्त हो चले हैं। बिना इस का परिणाम जाने। परिणाम मिलता भी ज़रुर होगा। पर ऐसे परिणाम भला बताता भी कौन है। अखिलेश यादव भी नहीं बताते। कभी नहीं बताएंगे। एक समय आएगा कि यह परिणाम सब को साफ़-साफ़ दिखेगा। क्यों कि यह ऐसा परिणाम है , इस परिणाम में मिला ऐसा घाव है जो बहुत दिनों तक छुपाए , छुपता नहीं है। जगजाहिर हो ही जाता है। जैसे लालू यादव का हो चुका है , अखिलेश यादव का भी होगा।

पंकज कुमार मिश्रा

शनिदेव अदभुत देवता के रूप में पूजनीय

न्यायाधीश भगवान शनिदेव कई अन्य वजहों से भी अदभुत देवता के रूप में पूजनीय हैं। इसी सन्दर्भ में शनि की चाल मंद यानी धीमी मानी जाती है, तो दृष्टि वक्र यानी टेढ़ी। परन्तु उनका न्याय का हिसाब-किताब सीधा ओर सटीक होता है, यानी अच्छे कर्मों पर कृपा व बुरे कर्मों पर दण्ड। यही कारण है कि जहां शनिदेव की शुभ दृष्टि भाग्य बनाने वाली तो वहीं उनकी अशुभ दृष्टि कहर भी बरपाने वाली मानी जाती है।

शनिदेव की कृपा के लिए ही शनिदेव की चाल बदलने, शनि महादशा, साढ़े साती या ढैय्या में शनि की कृपा से सौभाग्य, सफलता व सुख की कामना पूरी करने के लिए शास्त्रों में शनि के सरल और सहज नाम मंत्रों का स्मरण मंगलकारी माना गया है। शनि साढ़े साती या ढैय्या से प्रभावित राशि वालों के लिए शनि का स्मरण विशेषरूप से धन, रोजगार व समृद्धि की बाधा दूर कर देता है।

जानिए, शनि भक्ति से अपनी कामनाएं पूरी करने के लिए कुछ आसान शनि मंत्र व

पूजा के सरल उपाय =

शनिवार को या फिर प्रतिदिन भी शनि देवालय में शनि देव की काली पाषाण मूर्तियों को सरसो या तिल का तेल, काले तिल, काले वस्त्र, उड़द की दाल, फूल व तेल से बनी मिठाई या पकवान अर्पित कर समृद्धि की कामना से नीचे लिखे सरल शनि मंत्रों का स्मरण करें धनदाय नमः

मन्दाय नमः
मन्दचेष्टाय नमः
क्रूराय नमः
भानुपुत्राय नमः

- पूजा व मंत्र स्मरण के बाद शनि की धूप व तेल दीप से आरती भी करें। दोषों के लिए क्षमा की प्रार्थना करें व प्रसाद ग्रहण करें।

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- सम्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:
मो.: 8423454502, 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

तंबाकू को जिसने गले लगाया मौत को उसने पास बुलाया: ज्योति बाबा

कानपुर। जहां एक और सिगरेट के उत्पादन हेतु लगभग दुनिया में 60 करोड़ पेड़ काट दिए जाते हैं तथा 22 अरब लीटर पानी बर्बाद कर दिया जाता है वहीं दूसरी ओर धूम्रपान से 84 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्पन्न होती है तंबाकू खाने वाले बार-बार जगह-जगह थूकते हैं जिससे कोरोना जैसे अन्य वायरस का प्रसार तीव्र हो जाता है और अकेले रेलवे को प्रतिवर्ष 12500 पान मसाले तंबाकू की पीक सफाई में खर्च करने पड़ते हैं जाहिर है तंबाकू से ना सिर्फ कैंसर के रोगी बहुतायत में मिल रहे हैं बल्कि उनकी उनका महंगा इलाज सबके बस की बात नहीं रह गई है इसीलिए तंबाकू को जीवन से निकालकर योग में जीवन की राह अपनाएं और दिखाएं उपरोक्त बात सोसाइटी योग ज्योति इंडिया के तत्वाधान में नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल का के तहत विश्व तंबाकू निषेध दिवस के परिप्रेक्ष्य में आयोजित वेबीनार शीर्षक क्या भारत के नौजवानों को तंबाकू मुक्त बनाना जरूरी है पर अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्त अभियान के प्रमुख व नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल के नेशनल ब्रांड एंबेसडर योग गुरु ज्योति बाबा ने कही,ज्योति बाबा ने आगे कहा कि गांवों में महिलाओं के बीच तंबाकू निकोटिन युक्त गुल मंजन के प्रयोग के साथ बीड़ी का प्रचलन काफी बढ़ चुका है जबकि गांवों में हरियाली घटने व अस्पतालों के ना के बराबर होने के चलते उनका इलाज कठिनतम हो चुका है ज्योति बाबा ने बताया कि इसीलिए वर्ष 2022 के विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम है पर्यावरण की सुरक्षा करें क्योंकि तंबाकू के बढ़ते प्रकोप से जल वायु और भू प्रदूषण बढ़ रहा है नदी नाले चोक हो रहे हैं और बच्चों के जीवन पर जन्म से ही रोगों का खतरा मंडरा रहा है मोहनलालगंज के विधायक अमरीश रावत ने कहा कि तंबाकू के धुएं से 500 हानिकारक गैसें एवं 7000 अन्य रासायनिक पदार्थ निकलते हैं इसीलिए सिख धर्म गुरु गोविंद सिंह जी का घोड़ा तंबाकू के खेत भी नहीं पार करता था आम्रपाली उन्नाव के डायरेक्टर डॉक्टर श्याम सिंह ने कहा कि बीड़ी और सिगरेट का धुआं उसको पीने वाले के फेफड़ों में केवल 30 फ़ीसदी जाता है जबकि बाकी 70 फ़ीसदी सेकंड हैंड स्मोकिंग के चलते ना पीने वालों को सीधे रोगी बनाता है बछरावां रायबरेली से पंकज रावत ने कहा कि सम्मानित सरकार का यह कहना कि तंबाकू उत्पादों से हमें राजस्व मिलता है तो 2015-16 के आंकड़ों के अनुसार तंबाकू उत्पादों से ?35600 करोड़ अर्जित हुए थे जबकि तंबाकू से उत्पन्न बीमारियों के इलाज में 104500 करोड़ रुपया खर्च किए गए लखनऊ से मोनू रावत ने कहा कि वर्तमान में अधिकांश बीमारियों की वजह तंबाकू है इसके कारण 25 तरह की बीमारियां और लगभग 40 प्रकार का कैंसर हो सकता है इसमें मुख् फेफड़े प्रोस्टेट और पेट का कैंसर प्रमुख है अंत में ज्योति बाबा ने सभी को ऑनलाइन तंबाकू मुक्त जीवन यापन करने का संकल्प कराने के साथ उपाय भी बताएं अन्य प्रमुख फतेहपुर से अंजू सिंह आगरा से भोला जैन झांसी से विनोद कुमार बहराइच से अनुराग श्रीवास्तव ऋषभ श्रीवास्तव इत्यादि थे।

ज्योति बाबा को नशा मुक्त भारत चैंपियन ट्रॉफी से किया सम्मानित

लखनऊ। नशा मुक्त भारत अभियान को सफल बनाना हर भारतीय का धर्म बने क्योंकि विदेशी हमले अप्रत्यक्ष नहीं होंगे बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से दुश्मन देश ड्रग्स नशा के विभिन्न रूपों से हमारे किशोरों को नशे का रोगी बनाकर देश की अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार कर गुलाम बनाने का कार्य बहुत बड़ी तादाद में शुरू कर चुके हैं उपरोक्त बात नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल के तहत सोसाइटी योग ज्योति इंडिया के सहयोग से विश्व तंबाकू निषेध दिवस के परिप्रेक्ष्य में दुबग्गा लखनऊ में आयोजित नशा मुक्त भारत चौपाल में भारत सरकार के केंद्रीय शहरी आवास एवं विकास राज्य मंत्री माननीय कौशल किशोर जी ने कही उन्होंने आगे कहा कि जिस प्रकार से पिछले कुछ माह से भारी मात्रा में पड़ोसी मुल्कों से भेजी गई ड्रग्स की खेप पकड़ी गई है वह न सिर्फ चिंताजनक है बल्कि हमारे पूरे सिस्टम को और सतर्कता बरतने की अपेक्षा करती है इस मौके पर पिछले 30 वर्षों से ज्यादा समय से नशा मुक्त युवा भारत के लिए कार्य करने वाले भारत के अमर क्रांतिकारियों को अपना आदर्श मानने वाले युवाओं के आईकॉन बन चुके योग गुरु ज्योति बाबा को नशा मुक्त भारत चैंपियन ट्रॉफी से सम्मानित किया उपस्थित सभी स्वास्थ्य प्रेमियों ने ज्योति बाबा का संदेश नशा मुक्त हो भारत देश के गगनभेदी नारे लगाने के साथ करतल तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्त अभियान के प्रमुख व नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल के नेशनल ब्रांड एंबेसडर योग गुरु ज्योति बाबा ने कहा कि शहरी विकास एवं आवासन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नशा मुक्त भारत चैंपियन ट्रॉफी सम्मान उन हजारों स्वास्थ्य सैनिकों को समर्पित करता हूं जिन्होंने निस्वार्थ रूप से पिछले 30 वर्षों से ज्यादा के संघर्षों के दौरान प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहयोगी रहे हैं और विश्व तंबाकू निषेध दिवस 31 मई को 40 जिलों में तंबाकू के विरोध में जन जागरूकता हेतु मानव श्रृंखला व सांकेतिक पुतला दहन इत्यादि अन्य कार्यक्रमों के अलावा भी किए जाएंगे। इस अवसर पर नशा मुक्त भारत की शपथ ज्योति बाबा ने दिलाई प्रमुख रूप से मौजूद सहयोगी गीता पाल पंकज रावत राजेंद्र लहरी मोनू रावत कुंवर बहादुर सिंह अंशु सिंह सेंगर भोला जैन इत्यादि थे।

लोकतन्त्र के चौथे स्तम्भ पर फिर हमला
सच को दबाने की प्रशासनिक व माफियाओं की कोशिश: महामंत्री आईरा

कानपुर । उत्तर प्रदेश में लगातार देखने में आ रहा है कि लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ को दबाने की कोशिश की जा रही है, हाल के दिनों में कई ऐसी घटनाये सामने आयी है जिसने मीडिया जगत को शर्मसार किया है और आये दिन सच को दबाने के लिए कई ऐसे प्रयास किए जा रहे जिससे पत्रकार अपना काम स्वतंत्र रूप से नहीं कर पा रहे हैं आज का ताजा घटनाक्रम से अवगत कराते हुए आपको बताना है कि ऑल इण्डियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन के निर्वाचित महामंत्री दिग्विजय सिंह व पत्रकार अश्वनी के खिलाफ कूटरचित , मनगढंत प्रार्थना पत्र देकर हरवंश मोहाल थाने मे रंगदारी वसूलने का धारा 384 के तहत मुकदर्ज कराया गया है जो पूर्णतः फर्जी है, शिकायत कर्ता अजन्ता साहू द्वारा एफ.आई.आर. मे जिस मोबाइल नंबर से रंगदारी वसूलने को बात कही जा रही है वह मोबाइल नम्बर इन पत्रकारों के है भी की नहीं जब कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्पष्ट आदेश है कि पत्रकार के खिलाफ कोई भी मुकदमा लिखने से पहले साक्ष्य व सबूत एकत्रित कर ले. इस मामले मे आपराधिक गतिविधियो मे लिप्त लोगों के दबाव में उक्त मुकदमा दर्ज किया किया गया है ।

जबकि शिकायत कर्ता अजन्ता साहू व अन्य लोगो द्वारा तत्कालीन समाजवादी पार्टी की सरकार में के.डी.ए उपाध्यक्ष जय श्री भोज के साथ साठ ङ्क गाठ करके फर्जी तरीके से शिकायतकर्ता व अन्य लोगो द्वारा जमीन की खरीद करके फर्जी तरीके मानक विहिन होटलो का निर्माण करा लिया जिसमे कई तरह के अनैतिक कार्य भी कराये जाते है जबकि इन होटलों को कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध घोषित करकर इस निर्माण को गिराये जाने का आदेश भी किया गया है जिसकी खबर भी इन पत्रकारों ने प्रमुखता से चलाई थी यही कारण है कि आपस में ईन सभी भूमाफियाओं ने इन पत्रकारो के खिलाफ साजिशन फर्जी एफ. आई. आर. दर्ज कराई गई है जो पूरी तरह कूटरचित है.

ऑल इण्डियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन कानपुर पुलिस कमिश्नर से निवेदन करती है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच वह स्वयं करे, हम पत्रकार सभी तरह का सहयोग करने का आश्वासन देते ।

देश में नफरत फैलाने वाले को जेल भेजो

कानपुर, । गरीब नवाज़ के दरबार को मंदिर बताकर देश की कानून व्यवस्था को बिगाड़ने वाले महाराणा प्रताप सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राजवर्धन सिंह परमार पर अभी तक कार्यवाही न होने से नाराज़ मोहम्मदी यूथ ग्रुप ने खानकाहे हुसैनी, कर्नलगंज में प्रदर्शन कर केंद्र सरकार से उसे जेल भेजने व देश के गृहमंत्री से संगठन पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर अपने गुस्से का इज़हार किया।खानकाहे हुसैनी कर्नलगंज के बाहर ग्रुप के पदाधिकारी पहुंचे उनमें गरीब नवाज़ के दरबार को मंदिर बताने उसका भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग से सर्वे कराने की मांग करने वाले राजवर्धन व उसके संगठन के खिलाफ गुस्सा था।

अमर शहीद भगवती चरण वोहरा के बलिदान दिवस पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का किया आयोजन

कानपुर। उत्तर प्रदेश चन्द्रशेखर आजाद जनकल्याण समिति द्वारा अमर शहीद भगवती चरण वोहरा के बलिदान दिवस पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन आजाद वाटिका, चंद्रशेखर आजाद चौराहा में आयोजित किया गया। कार्यकर्ताओं ने भगवती चरण वोहरा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सर्वेश कुमार पाण्डेय निन्नी ने कहा कि वोहरा क्रांतिकारी दल के कमांडर इन चीफ चन्द्रशेखर आजाद के अति विश्वसनीय साथी थे जो दल के सभी वैचारिक कार्यों का संचालन करते थे। उनकी पत्नी दुर्गा भाभी भी क्रांतिकारी थीं। निन्नी पाण्डेय ने बताया कि भगत सिंह को जेल से छुड़ाने के लिए किए जाने वाले बमों का परीक्षण पंजाब में सतलुज नदी के पास जंगल में करते हुए वोहरा गंभीर रूप से घायल होकर शहीद हो गए थे। घायल अवस्था में उन्होंने आजाद से कहा था अपनी योजना को जरूर पूरा करें, मेरी चिन्ता न करें। उस समय आजाद ने कहा था मैं जीवन पर्यन्त दुर्गा भाभी व पुत्र सची की देखभाल करूंगा, तभी वोहरा ने अंतिम सांस ली।

आज उनकी कुर्बानी को भुला दिया गया जिनकी शहादत से नेता सत्ता का भोग कर रहे हैं । उनका त्याग और बलिदान देश सदैव याद रखेगा। समिति ने कानपुर नगर में शहीद शोध संस्थान बनाने की मांग की। शहीद की स्मृति में आंवला और बेल का पेड़ लगाया गया।

कार्यक्रम में राकेंद्र मोहन तिवारी, नरेश चन्द्र शुक्ला, प्रमोद पाण्डेय, अरविन्द शर्मा, श्यामदेव सिंह, संदीप साहू, राम चरन पाल एडवोकेट, दीनानाथ द्विवेदी, कमरुद्दीन, सी.के. सिंह, तिलक चन्द्र कुरील, धर्मेन्द्र, मंटू, अनिल शुक्ला, बी.आर. गुप्ता आदि थे।

राधा-कृष्ण मंदिर से मूर्तियां गायब, महापौर ने रुकवाया अवैध निर्माण

कानपुर। महापौर प्रमिला पांडेय ने गुरुवार को पीरोड में राधा कृष्ण के प्राचीन मंदिर में हो रहा अवैध निर्माण रुकवाया। मंदिर से मूर्तियां भी हटा दी गईं थीं। उन्होंने तत्काल पुलिस बुलाकर काम न होने के निर्देश दिए। निर्माण की जांच और कार्रवाई के लिए केडीए उपाध्यक्ष को पत्र लिखा है।

बता दें कि पी रोड में गोपाल टॉकीज चौराहे के बगल में बने सैकड़ों साल पुराने राधा-कृष्ण के मंदिर में अवैध रूप से कब्जा कर व्यवसायिक निर्माण हो रहा था। मौके पर पहुंचीं महापौर ने बताया कि निर्माणकर्ता ने न केवल पूरे मंदिर परिसर को अपने कब्जे में ले लिया, बल्कि वहां रखी हुई सैकड़ों साल पुरानी अष्टधातु की मूर्तियों को भी हटा कर इधर-उधर कर दिया। निरीक्षण में महापौर ने पाया कि बेशकीमती जमीन पर स्थित मंदिर परिसर में तीन मंजिला इमारत बनाई जा रही है। उन्होंने तत्काल एसीपी सीसामऊ को बुलाकर निर्माण रुकवा दिया। महापौर ने निर्देश दिए कि जब तक मालिकाना हक का निस्तारण न हो जाएगा, तब तक निर्माण कार्य नहीं होने दिया जाएगा। महापौर के अनुसार शहर में प्राचीन मंदिर पर कब्जे की यह पहली घटना नहीं है। उन्होंने बताया कि बेकनगंज, चमनगंज और यतीमखाना इलाके में कई ऐसे प्राचीन मंदिर हैं, जिन पर भूमाफिया, व्यापारियों ने न केवल कब्जा कर लिया है बल्कि वहां पर बिरयानी की दुकानें भी खोल ली हैं। नगर निगम अभियान चलाकर सभी प्राचीन मंदिरों को भूमाफिया के कब्जे से मुक्त कराएगा।

क्राइम ब्रांच के सात कर्मी हुए लाइन हाजिर

कानपुर। पिछले कुछ महीनों से विवादों में घिरी कमिश्नरी की क्राइम ब्रांच में अब दागदारों की छटनी शुरू हो गई है। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर ने सभी प्रकरणों को गंभीरता से लेकर क्राइम ब्रांच में तैनात सात पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है। इसमें एक दरोगा, तीन हेड कांस्टेबल और तीन सिपाही शामिल हैं। चर्चा ये भी है कि डीसीपी क्राइम भी जल्द बदल सकते हैं। अभी डीसीपी मुख्यालय के पास डीसीपी क्राइम का अतिरिक्त प्रभार है। करीब दो महीने पहले एटीएम हैकर अमित चौहान पकड़ा गया था, जिसमें क्राइम ब्रांच का हेड कांस्टेबल अमित चौधरी का नाम सामने आया था। इसी दौरान क्राइम ब्रांच के सिपाही प्रबल व सिपाही राजीव यादव का भी नाम आया था। मामले में जांच जारी है। इसके बाद सर्विलांस प्रभारी मोहम्मद आसिफ का बदमाश संग याराना उजागर हुआ था। तब से लगातार पूरी क्राइम ब्रांच पर सवाल खड़े हो रहे थे। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी ने क्राइम ब्रांच में तैनात दरोगा शुभम यादव, हेड कांस्टेबल शमशाद अली, शिववीर सिंह, रवि कुमार व सिपाही अंकुर भदौरिया, लाखन सिंह और देवांश सिरोह को लाइन हाजिर कर दिया। इसके पहले मोहम्मद आसिफ निलंबित किया जा चुका है। क्राइम ब्रांच में आठ नए पुलिसकर्मियों को तैनाती दी गई है। सीसामऊ थाने के दरोगा विक्रम सिंह, चकेरी के हेड कांस्टेबल विनोद कुमार, कर्नलगंज के हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार, स्वरूपनगर के सिपाही शीतांश गंगवार, पुलिस लाइन से सिपाही सूरज सिंह व सिपाही पूनम के अलावा ट्रैफिक से हाकिम सिंह व यूपी-112 से सिपाही अभिषेक कुमार को क्राइम ब्रांच में तैनाती दी गई है। क्राइम ब्रांच में कुछ बदलाव किया गया है। नए पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। क्राइम ब्रांच को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। आगे भी बदलाव संभव हैं। -आनंद प्रकाश तिवारी, ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर , कानून व्यवस्था।

चट्टे बना रहे स्मार्ट सिटी की अलग पहचान

कानपुर। शहर को स्मार्ट सिटी की क्षेणी में लाने के लिए शासन व प्रशासन एड़ी चोटी का जोर लगाये हुज है। फिर भी जब तक आमजन खुद अपने मर्तबा व आचरण में बदलाव नहीं करेंगे तब तक शासन या अन्य किसी का प्रयास निष्फल हो जायेगा। शहर की दशा बदले हर किसी की हसरत है पर वो अपने आप में बदलाव नहीं करना चाहता। इसी की बानगी है कि शहर के चट्टा संचालक अपने शहर को बदलता धेखना तो चाहते है पर अपने जानवरों के प्रति उदासीन रवैया अपनाये रहते है ।पिछले साल नगर निगम और खुद महपौर प्रमिला पाण्डेय ने शहर से चट्टो को हटाने की मुहिम छेड़ी थी।

महिलाओं को शाम को भी कार्य करने अनुमति

कानपुर। उ0प्र0 शासन की अधिसूचना 27 मई द्वारा कारखाना अधिनियम 1948 के अन्तर्गत महिला कर्मकारों को उनकी लिखित अनुमति के साथ किसी वाणिज्यिक प्रतिष्ठान व उद्योग में कार्य करने की अनुमति प्रदान कर दी गयी है। मुख्यमंत्री, उ0प्र0 सरकार की 100 दिवसों की कार्ययोजनाओं में महिलाओं को रोजगार के अधिक अवसर प्रदान करने के उद्देष्य से कारखाना अधिनियम के अन्तर्गत विभिन्न वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों व उद्योगों में रात्रिकालीन समय में कार्य करने की अनुमति प्रदान करना एक प्राथमिकता का बिन्दु था। श्रम आयुक्त कार्यालय के कारखाना निदेशालय द्वारा इस सम्बन्ध में शासन को विस्तृत प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया था जिस पर शासन द्वारा 27 मई के माध्यम से अधिसूचना जारी करते हुए कामकाजी महिलाओं के हक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए महिलाओं को और अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करने व स्वावलम्बी बनाने के उद्देष्य से किसी भी महिला कर्मकार को उसके लिखित सहमति के बाद सायं 07.00 बजे के पश्चात कार्य करने अनुमति प्रदान कर दी गयी है। साथ ही उनके रात्रिकालीन समय में कार्य करने की अवधि व यात्रा के समय सुरक्षा व सुविधाओं का विस्तृत व्यवस्था की गयी है। अधिसूचना में दी गयी व्यवस्था के अनुसार इस अवधि में कार्यरत महिला कर्मकार को कारखाना के नियोजक द्वारा उसके निवास स्थान से कार्यस्थल तक आने और वापस जाने के लिए निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। साथ ही नियोजक द्वारा इस अवधि में उनको भोजन भी उपलब्ध कराया जायेगा। अधिसूचना में यह भी सुनिश्चित किया गया है कि रात्रिकालीन में कार्यरत महिला कर्मकारों को कार्य के घण्टों की अवधि में तथा कार्यस्थल पर आवागमन के दौरान नियोजक द्वारा पर्याप्त पर्यवेक्षण उपलब्ध कराया जायेगा। साथ ही यह भी व्यवस्था दी गयी है कि नियोजक को रात्रिकालीन के समय कार्यस्थल के निकट शौचालय, पृच्छालन कक्ष, परिवर्तन कक्ष तथा अन्य सुविधायें सुनिष्चित करनी होंगी।

केडीए उपाध्यक्ष द्वारा गंगा बैराज स्थित बोटैनिकल गार्डेन का भ्रमण

कानपुर। उपाध्यक्ष कानपुर विकास प्राधिकरण श्री अरविन्द सिंह द्वारा गोल्फ में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की ओर अग्रसर श्री यजुवेन्द्र सिंह उर्फ चिंटू व प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों मुख्य अभियन्ता, अधिशाषी अभियन्ता, उद्यान अधीक्षक आदि के साथ कानपुर शहर वासियों के लिये पर्यटन के दृष्टि से गंगा बैराज स्थित बोटैनिकल गार्डेन का किया गया भ्रमण।

गोल्फ की दुनिया में चिंटू के नाम से यजुवेन्द्र शहर में मिनी गोल्फ के जरिये स्कूली प्रतिभाओं को संवार रहे है। इसके लिये वे समय-समय पर निःशुल्क कैम्प लगाकर गोल्फ की बारिकी जैसे हिटिंग, पुटिंग व चिपिंग शॉट में बच्चों को निपुण कर रहे है। उनकी चाह है कि सरकार शहर में उनको कोई ऐसी जगह मुहैय्या करा दें जहां वह आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिये गोल्फ की निःशुल्क पाठशाला लगा सके।

कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा शहर वासियों के लिये पर्यटन एवं मनोरंजन की दृष्टि से बोटैनिकल गार्डेन में गोल्फ कोर्स की सम्भावनाओं तथा परिकल्पनाओं को साकार किये जाने के दृष्टिगत श्री चिंटू जी के साथ उपाध्यक्ष महोदय द्वारा स्थल पर भ्रमण किया गया।

इसमें इनकी निपुणता एवं विशेषज्ञता का भरपूर इस्तमाल करते हुये गोल्फ कोर्स विकसित किये जाने सम्बन्धी कार्ययोजना तैयार किये जाने के उपाध्यक्ष महोदय द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये।

बोटैनिकल गार्डेन में व्याप्त गंदगी को देखते हुये उपाध्यक्ष महोदय द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा सम्बन्धित अधिशाषी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता आदि को पूरी साफ-सफाई के कड़े निर्देश दिये गये।

गृहमंत्री को ज्ञापन भेज कार्यवाई की मांग

कानपुर। गरीब नवाज़ के दरबार को मंदिर बताकर देश की कानून व्यवस्था को बिगाड़ने वाले महाराणा प्रताप सेना के अध्यक्ष राजवर्धन सिंह परमार की गिरफ्तारी व संगठन पर प्रतिबंध लगाने को लेकर मोहम्मदी यूथ ग्रुप का एक प्रतिनिधि मंडल जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी के प्रतिनिधि अपर नगर मजिस्ट्रेट पंचम से मिला व गृहमंत्री अमित शाह के नाम सम्बोधित ज्ञापन प्रेषित किया।

प्रतिनिधि मंडल ने अपर नगर मजिस्ट्रेट पंचम को बताया कि दिनांक 25 मई 2022 को महाराणा प्रताप सेना के अध्यक्ष राजवर्धन सिंह परमार ने एक पत्र लिखा जिसमें कौमी एकता की प्रतीक जिसके अनुयायी भारत वर्ष ब्लकि पूरे विशव में मौजूद है विश्व ख्याति प्राप्त दरबार अजमेर शरीफ के बारे में भ्रामक/असत्य बाते लिखकर गरीब नवाज़ में आस्था रखने वाले करोड़ो भारतीयों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई और लगातार न्यूज़ चैनलो में इंटरव्यू देकर देश की कानून व्यवस्था को बिगाड़ने, दंगा भड़काने का षड़यंत्र करने सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के इरादे से किया जिससे करोड़ो भारतीयों में उस पर अभी तक कोई कार्यवाही न होने से रोष है। गृहमंत्रालय इस संवेदनशील विषय में संज्ञान लेकर त्वरित दिल्ली पुलिस को संगीन धाराओं में मुकदमा लगाकर जेल भेजे व ऐसे नफरती संगठन पर प्रतिबंध लगाए ऐसे लोगो पर कार्यवाही न होने देश के लिए चिंताजनक जिससे देश की एकता-अखंडता तोड़ने वाले, नफरत का माहौल पैदा करने वालो को सबक मिले व ग्रुप ने जिलाधिकारी के प्रतिनिधि को ज्ञापन प्रेषित किया। जिलाधिकारी प्रतिनिधि ने पूरी बात को ध्यानपूर्वक सुना व ज्ञापन को आज ही गृहमंत्रालय कार्यालय भेजने का भरोसा दिया।ज्ञापन में इखलाक अहमद डेविड, मोहम्मद तौहीद सिद्दीकी, शाहरुख खान, इजाहरुल अंसारी, हाशिम रिज़वी, अयाज़ चिश्ती, मोहम्मद तौफीक, हबीब आलम, राहुल अंसारी, मोहम्मद आसिफ वारसी, मोहम्मद इदरीस आदि लोग मौजूद थे।

फसलों एवं जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ

कानपुर। सीएसए के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में चार दिवसीय उद्यानिकी फसलों एवं जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का विधिवत दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर संगोष्ठी में मुख्य अतिथि कृषि वैज्ञानिक चयन बोर्ड के चेयरमैन डॉ एके श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में बताया कि हमारा देश फल एवं सब्जी उत्पादन में पूरे विश्व में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि उद्यान के अतिरिक्त पशुओं में हमारे देश की 50 नस्लें हैं जिसमें भैंस वंश की 19 नस्लें हैं। उन्होंने कहा कि हमारे प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने की आवश्यकता है। साथ ही फसलों के कटाई उपरांत होने वाली हानियों को कम करना होगा। उन्होंने बताया कि मृदा में आवश्यक पोषक तत्वों की भी कमी हो रही है इसे भी बचाना है। डॉ श्रीवास्तव ने बताया कि हमारा देश सन 1966 में 10 मिलियन टन गेहूं का आयात करता था। लेकिन अब हमारे यहां पर्याप्त खाद्यान्न उत्पादन हो रहा है इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों व किसानों को उन्होंने धन्यवाद दिया।उन्होंने फसल कटाई उपरांत होने वाली हानियों के बचाव के लिए कहा कि किसानों के स्तर पर ही छोटे-छोटे कोल्ड स्टोरेज बनाए जाएंगे। जिससे किसान उद्यमी होंगे और उनकी आय में बढ़ोतरी होगी।उन्होंने जलवायु परिवर्तन के बारे में बताया कि जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक तथ्य है इसलिए ऐसे शोध किए जा रहे हैं जो जलवायु अनुकूल हों। इस अवसर पर श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना राज्य उद्यान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ बी नीरजा प्रभाकर ने भी वैज्ञानिकों को संबोधित किया। और चार दिवसीय संगोष्ठी की सफलता की शुभकामनाएं दी। रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ के पी सिंह ने भी देश के विभिन्न राज्यों से आए वैज्ञानिकों को संबोधित किया। डॉ पी जानकीराम कुलपति वाईएसआर उद्यान विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने भी संबोधित किया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व उप महानिदेशक उद्यान डॉक्टर एचपी सिंह ने चार दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।इस कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में शहीद लेफ्टिनेंट अमित सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अतिथि अतिथियों द्वारा की गई। तत्पश्चात कार्यक्रम में शोध चिंतन 2022,बुक ऑफ ऑब्स्ट्रैक्ट 2022, प्रोसीडिंग 2020-21, इवेंट सीडी एवं इंटरनेशनल जर्नल आफ इनोवेटिव हॉर्टिकल्चर नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉक्टर ए के श्रीवास्तव को कॉन्फ्रेंस आफ हॉर्टिकल्चर एसोसिएशन आफ़ इंडियन आनर्ड फेलो- 2022 से विभूषित किया गया।

डॉ. महेन्द्र कुमार द्वारा विकास खंड कुर्मी खेड़ा का निरीक्षण

कानपुर। मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर डॉ0 महेन्द्र कुमार द्वारा आज विकास खंड चौबेपुर तथा ग्राम पंचायत कुर्मी खेड़ा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विकास खंड चौबेपुर में उसकी बाउंड्री वाल के किनारे काफी कूड़ा पड़ा हुआ था जिसकी सफाई कराए जाने की आवश्यकता है। विकास खंड प्रांगण में कार्यालय भवन एवं आवास जीर्ण क्षीण स्थिति में है जिसके संबंध में इन भवनों को सही कराया जाए। विकास खंड परिसर में खाली पड़े कच्चे स्थान पर पार्क को विकसित करने के निर्देश दिए गए। ग्राम पंचायत कुर्मी खेड़ा एवं उसके मजरे हृदयपुर का निरीक्षण किया गया। हृदयपुर में शौचालयों का निरक्षण किया गया ।जिन शौचालयों में कमियां हैं, उन्हें दूर कराएं। ग्राम पंचायत सचिवालय कुर्मी खेड़ा में बनाया जा रहा है किंतु हृदयपुर में मुख्य मार्ग पर सचिवालय भवन बना हुआ है।

ड्रग विभाग की टीम द्वारा कल्याणपुर स्थित मेडिकल स्टोर को किया गया सीज

कानपुर। जिलाधिकारी कानपुर नगर नेहा शर्मा के निर्देश पर लगातार मेडिकल स्टोर की जांच की जा रहा है जिसके क्रम में आज ड्रग विभाग की टीम द्वारा कल्याणपुर स्थित स्टार हेल्थ केयर हॉस्पिटल मकान नंबर 98 सत्यम विहार आवास विकास नंबर 1 कल्याणपुर में बने मेडिकल स्टोर की औचक जांच की गई।

जांच के दौरान अवैध रूप से मेडिकल स्टोर संचालित होता पाया गया।

जिसमें लगभग 3 लाख रुपये की दवा मिली जिसके दृष्टिगत मेडिकल स्टोर को सीज किया गया ।छापेमारी में मुख्य रूप से संदेश मौर्य ड्रग इंस्पेक्टर कानपुर नगर, रजत कुमर ड्रग इंस्पेक्टर इटावा, ज्योत्सना आनंद ड्रग इंस्पेक्टर औरैया, श्री बृजेश कुमार सहायक आयुक्त औषधि कानपुर संभाग कानपुर तथा पुलिस अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

मिला दुर्लभ प्रजाति का रुद्राक्ष वृक्ष, दूर-दूर से देखने पहुंच रहे लोग

घाटमपुर। कानपुर नगर के भीतरगांव ब्लॉक अंतर्गत दौलतपुर गांव के पश्चिम दिशा में स्थित एक खेत लगे पेड़ पर दुर्लभ प्रजाति का फल लगा देखा तो लोग हैरत में पढ़ गए। लोगों को खेतों मे खड़े एक दुर्लभ प्रजाति के वृक्ष के बारे मे जानकारी हुई है। लोगों मे प्रतिदिन कौतुहल बढ़ता जा रहा है ।यहा पर प्रतिदिन दर्शन हेतु लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है। हिमालय की बर्फीली वादियों में बसे नेपाल से पक्षियों द्वारा लाए गए इस रुद्राक्ष के पेड़ में इस बार खूब फल आए हैं। इनमें से बहुत ही दुर्लभ पाए जाने वाले एक मुखी रुद्राक्ष भी हैं।

कानपुर शहर के गर्म वातावरण में इस पेड़ को फलने-फूलने के लिए विशेष देख-रेख की जरूरत पड़ती है। ऐसे में यहां पर वृक्ष में फल लगे हुए है।

बस स्टैंड के दोनों साइड में स्टैंड हेतु जगह का चिन्हांकन किया गया

कानपुर। मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर जनपद कानपुर नगर में अवैध ऑटो, टेंपो ,बस स्टैंड को हटाते हुए वैध ऑटो, टेंपो, बस स्टैंड को सुव्यवस्थित रूप से स्थापित करने हेतु स्थानो का चिन्हांकन करने हेतु टीम को तीन दिन का निर्देश दिया गया था टीम द्वारा स्थान का निरीक्षण किया गया। जिसके क्रम में आज झकरकटी बस अड्डे का निरीक्षण किया गया । बस स्टैंड के दोनो तरफ वैध स्टैंड स्थापित करने हेतु संयुक्त रूप से टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बस स्टैंड के दोनों साइड में स्टैंड हेतु जगह का चिन्हांकन किया गया । स्टैंड को जल्द से जल्द प्रारम्भ करने के लिए पुलिस कमिश्नर ने टीआई को निर्देशित किया है ।तत्पश्चात पुलिस कमिश्नर जिलाधिकारी, ज्वाइंट सीपी द्वारा रूट मार्च किया गया। झकरकटी बस अड्डे से टाटमिल , रेल बाजार एक नम्बर स्टेशन तक रूट मार्च कर लोगो से सीधे सम्वाद स्थापित किया। जगह जगह पर लोगो द्वारा पुलिस कमिश्नर, जिलाधिकारी, ज्वाइंट सीपी का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

जनता में कानून का राज स्थापित करने के लिए लोगो एवं व्यापारियों से सीधे उनकी समस्याएं सुनने के लिए पुलिस अधिकारियों द्वारा उनके द्वार पहुच कर लोगो से सीधे सम्वाद स्थापित किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस कमिश्नर श्री विजय मीना ,ज्वाइंट सीपी श्री आनन्द प्रकार तिवारी, जिलाधिकारी श्रीमती नेहा शर्मा, सिविल डिफेंस से चीफ वार्डन श्री रोहित मल्होत्रा उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा जागरूकता बाइक रैली का आयोजन किया गया

कानपुर। राज्य मंत्री परिवहन उत्तर प्रदेश सरकार दया शंकर सिंह के आह्वान पर सूचना और तकनीकी मंत्रालय भारत सरकार की अधिकृत संस्था सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड द्वारा संचालित कॉमन सर्विस सेंटर संचालकों के माध्यम से सड़क सुरक्षा जागरूकता बाइक रैली का आयोजन दिनांक 27-मई 2022 दिन शुक्रवार को जनपद- कानपुर नगर में किया गया जिसको अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अंजन कुमार गोस्वामी के तत्वाधान में सड़क सुरक्षा के नियमो और जागरूकता के प्रति अपनी भावना रखते हुए बाइक रैली को सी एस सी जिला मनीष कुमार रजक, आकाश सोनी व जिला समन्वयक धर्मेंद्र कुमार द्वारा कलेक्ट्रेट ऑफिस से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया । उक्त बाइक रैली जिलाधिकारी कार्यालय से सरसैया घाट चौराहा होते हुए मॉल रोड तक गयी व रास्ते में लोगो को ट्रैफिक नियमो के पालन हेतु प्रेरित किया गया।

उपरोक्त बाइक रैली में अक्षत कुमा, समर सिंह , यस गोयल, मंथन वाल्मीकि, शुभम कुमार आदि लगभग 50 ष्टस्ष्ट केंद्र संचालको ने भाग लिया।

नेहरू संदेश पदयात्रा का हुआ आयोजन

कानपुर। शहर कांग्रेस कमेटी कानपुर उत्तर के तत्वावधान मे देश के प्रथम प्रधानमंत्री यशस्वी महानायक भारतरत्न पं0 जवाहर लाल नेहरु की 68 वीं पुण्यतिथि को साम्प्रदायिक सौहार्द दिवस के रुप मे मनाकर ''नेहरु संदेश पदयात्रा'' का आयोजन पूर्व विधायक भूधर नारायन मिश्रा के संयोजन मे गांधी प्रतिमा फूलबाग से नेहरु प्रतिमा घण्टाघर तक आयोजित किया गया। संदेश पदयात्रा मे सैकड़ो वरिष्ठ व कनिष्ठ कांग्रेसजन व समर्थक राष्ट्रीय ध्वज के साथ कांग्रेस के झंडे व बैनरो के साथ बड़े उत्साह से शामिल हुये। संदेश पदयात्रा का शुभारम्भ जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके ''रामधुन रघुपति राघव राजाराम'' की धुन की निरंतरता के साथ एक सुसज्जित रथ चल रहा था वहीं पदयात्रा के नरौना चौराहा पहुंचने पर राष्ट्रनेत्री पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण करते हुये कलक्टरगंज घण्टाघर स्थित नेहरु प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं सभा का भव्य आयोजन भी किया गया।

बिकरू कांड में 14 पुलिसकर्मी दंडित किए गए, पांच के खिलाफ कार्रवाई जारी

कानपुर। बिकरू कांड में तत्कालीन एसओ व हलका इंचार्ज को बर्खास्त करने के साथ 14 अन्य पुलिसकर्मियों को दंडित किया गया है। सभी को मिस कंडक्ट दी गई है। ये सभी एसआईटी की जांच में दोषी पाए गए थे। उसी आधार पर इन पर अब विभागीय कार्रवाई हुई है। पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ दंडित करने की कार्रवाई जारी है। ये कार्रवाई कमिश्नरी की पुलिस ने की। पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा ने बताया कि बिकरू कांड में जो पुलिसकर्मी दोषी पाए गए थे उनमें से अधिकतर की जांच कमिश्नरी पुलिस को सौंपी गई थी। जिसमें से तत्कालीन एसओ विनय तिवारी व हलका इंचार्ज केके शर्मा को एडिशनल सीपी मुख्यालय ने बर्खास्त किया है। अन्य 14 दोषी पुलिसकर्मियों को मिस कंडक्ट दी गई है, जिसमें तीन इंस्पेक्टर, सात सब इंस्पेक्टर, दो हेड कांस्टेबल व दो सिपाही शामिल हैं। तीन सब इंस्पेक्टर व दो सिपाहियों को दंडित करने की प्रक्रिया वर्तमान में चल रही है। यह कार्रवाई डीसीपी मुख्यालय कर रहे हैं। जल्द ही इन पांचों पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई पूरी कर ली जाएगी। जिनमें इंस्पेक्टर राममूर्ति यादव, मुकेश कुमार और बृजकिशोर मिश्रा। सब इंस्पेक्टर दीवान सिंह, जितेंद्र प्रताप सिंह, संजय सिंह, राकेश कुमार, इंद्रपाल सरोज, सुजीत कुमार मिश्रा और रमेश चंद्र। हेड कांस्टेबल लायक सिंह और धर्मेंद्र ।सिपाही विकास कुमार और कुंवरपाल सिंह पर कार्रवाई हुई है।

एडिशनल सीपी आनंद कुलकर्णी ने बताया कि बिकरू कांड में दोषी पाए गए पुलिसकर्मियों में से तीन पुलिसकर्मियों की विभागीय कार्रवाई लखनऊ पुलिस को सौंपी गई थी। जबकि चार की कानपुर आउटर पुलिस व सात की कानपुर देहात पुलिस को दी गई थी।

- 12 नोटिस के बावजूद जवाब नहीं दिया

अधिकारियों की तरफ से दोनों को 12 नोटिस जेल में रिसीव कराए गए। जिसमें उनसे मामले में बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया था ।उन्होंने अपना बयान दर्ज कराने से मना कर दिया।

विभागीय जांच में दोनों के बयान शामिल नहीं हैं। बगैर बयानों के दोनों की बर्खास्तगी की गई है। इस वजह से भविष्य में इन पुलिसकर्मियों को लाभ मिल सकता है। चौबेपुर के तत्कालीन थानेदार विनय तिवारी व दरोगा केके शर्मा को बिकरू कांड की साजिश में शामिल होने के आरोप में जेल भेजा गया था। दोनों जेल में ही बंद हैं।

मंकीपॉक्स वायरस से लड़ने को तैयार शहर के अस्पताल

कानपुर। कोरोना वायरस जैसी महामारी के बाद दुनिया में एक नई बीमारी ने चिंता बढ़ा दी है। अब तक दुनिया के 16 देशों में फैल चुकी मंकीपॉक्स वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। डब्ल्यूएचओ लगातार मंकीपॉक्स के बढ़ते मामलों पर नजर बनाए हुए है। दुनियाभर के कई वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर इसी तरह से मंकीपॉक्स के मामले बढ़ते रहे तो आने वाले समय में यह महामारी का रूप ले सकते है। राहत की बात यह है कि भारत में अभी तक मंकीपॉक्स का कोई भी मामला सामने नहीं आया है।

सुरक्षा व्यवस्था का भौतिक निरीक्षण कर दिये जरूरी निर्देश

कानपुर।भानु भास्कर, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर व प्रशान्त कुमार, पुलिस महानिरीक्षक, कानपुर परिक्षेत्र, कानपुर द्वारा जनपद कानपुर देहात महानुभावों के प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत कार्यक्रम स्थल वीरांगना झलकारी बाई राजकीय इण्टर कालेज परौंख व अन्य सम्भावित स्थलों की सुरक्षा-व्यवस्था का भौतिक निरीक्षण कर उपस्थित अधिकारी/कर्मगण को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान स्वप्निल ममगई, पुलिस अधीक्षक, कानपुर देहात व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहें।

रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ

कानपुर। कल्याणपुर आवास विकास बंबा रोड कृष्णा हॉस्पिटल में डी स्टेयर्स ट्रस्ट द्वारा एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ सहयोगी संस्था जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक कानपुर द्वारा डॉ मनीष यादव मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक इंचार्ज के नेतृत्व में कैंप का आयोजन किया गया जिसमें कानपुर मेडिकल कॉलेज की यूनिट ने मनीष यादव की अगुवाई में ब्लड डोनेशन करने आए हुए लोगों का परीक्षण करके ब्लड डोनेट कराया गया कृष्णा हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉक्टर आदेश यादव और उनकी टीम ने सहयोग करते हुए सभी रक्त दाताओं को जूस एवं फल का वितरण किया डॉक्टर आदेश यादव ने बताया कि ब्लड डोनेशन यानी कि रक्तदान महादान होता है और रक्तदान करने से इंसान के शरीर पर कोई इसका प्रभाव नहीं पड़ता बल्कि शरीर में रक्त का उत्पादन एवं संचार सकुशल रहता है डॉक्टर आदेश यादव ने बताया कि पिछले 2 माह के अंतर्गत उपरोक्त सहयोगी संस्था द्वारा यह पांचवा ब्लड डोनेशन शिविर है इसके पूर्व में चार रक्तदान शिविर आयोजित किए जा चुके हैं जिसमें स्वेच्छा से सैकड़ों लोगों ने रक्तदान किया है इसमें प्रमुख रूप से डॉक्टर आदेश यादव डॉ जे आर बौद्ध ट्रस्टी साधना यादव दीपक यादव डॉ रोहित यादव डॉ नितिन तिवारी डॉ आरएन त्रिपाठी स्नेह लता नितिन तिवारी एनकेएस यादव डॉ मनीष यादव रोहित यादव राजेश यादव प्रमुख रूप से मौजूद रहे

सेना के नौजवानों को संविदा में भर्ती करके देश की सुरक्षा के साथ कर रही खिलवाड़

कानपुर। समाजवादी पार्टी सैनिक प्रकोष्ठ के नगर पदाधिकारियों सदस्यों विधानसभा अध्यक्षों की मासिक बैठक सैनिक प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष रमेश यादव की अध्यक्षता में गोविंद नगर विधानसभा के अध्यक्ष जितेंद्र यादव के निज निवास मकान नंबर 573 ए ब्लॉक बर्रा 6 में संपन्न हुई ।बैठक में केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा सेना में 9 जवानों को संविदा में भर्ती करने की साजिश पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई और कहा गया कि समाजवादी सैनिक प्रकोष्ठ इसका पुरजोर विरोध करेगा ।बैठक की अध्यक्षता करते हुए नगर अध्यक्ष रमेश यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत सरकार द्वारा सेना मैं संविदा पर भर्ती करके केंद्र की भाजपा सरकार देश की सुरक्षा व नौजवानों के भविष्य के साथ एक सोची समझी साजिश के खिलवाड़ करने का षड्यंत्र कर रही है। संविदा में भर्ती सेना के जवानों के हाथों देश व देश की सीमाएं कभी सुरक्षित नहीं रह सकती है संविदा पर भर्ती किए जाने वाले सैनिक देश को कभी सुरक्षित नहीं रख सकते हैं

बिना चढ़ावा लिए बाबू नहीं देता है विकलांग प्रमाण पत्र

कैंसर के मरीज़ों से सर्टिफिकेट देने के बदले लेता है मोटी रकम

कानपुर। स्वास्थ्य विभाग की हालत में सुधार की कवायत करने में जुटे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक जी रोज़ किसी न किसी जनपद में सरकारी अस्पतालों का निरक्षण कर दिशा निर्देश देते हुए विकास पथ की ओर अग्रसर है तो वहीं जिले के उर्सला अस्पताल में विकलांग प्रमाण पत्र को देने में बाबू एस के कटियार द्वारा विकलांगो से मोटी रकम वसूल कर उन्हें प्रमाण पत्र देने का काम धड़ल्ले से किया जा रहा है जिसकी शिकायत करते कुछ आवेदक अस्पताल में मिले। सूत्र बताते है कि बाबू शिव कुमार कटियार थैलेसीमिया और कैंसर तक के मरीज़ों से भी सर्टिफिकेट देने के नाम पर मोटी रकम की उगाही कर रहा है और उच्च अधिकारी भी उस पर कार्यवाही करने में कतरा रहे है।

आपको बता दे कि विकलांग बोर्ड सप्ताह में दो बार बैठता है सोमवार को काशीराम सेंटर में तथा गुरुवार को उर्सला अस्पताल में बोर्ड बैठता है। बोर्ड में आने वाले विकलांग ऑनलाइन आवेदन कर आते हैं जिसको डॉक्टरों द्वारा गहन निरक्षण के बाद उसको प्रमाणित करते है। उसके बाद का खेल अहरु होता है। बाबू शिव कुमार कटियार बिना किसी से चढ़ावा लिए वह दिव्यांग को प्रमाणपत्र नही देते है। ऐसी ही एक घटना देखने को मिली जो कि एक केंसर पीड़ित था। नाम न छापने की शर्त पर उसने बताया कि वह कैंसर का पीड़ित है और प्रमाण पत्र लेने आया था।

> आपके द्वारा मामले को अवगत कराया गया है। इस प्रकार की कोई भी शिकायत मिलने पर सज्जबित बाबू के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।
> डॉ नेपाल सिंह,
> सीएमओ कानपुर नग

जिसके एवज में बाबू शिव कुमार कटियार ने उससे ?8000 की मांग की और 5000 लेकर साथ ही तीन घंटा बैठाकर प्रमाण पत्र दिया। अस्पताल में डॉक्टर से बात की उनका कहना है कि हम तो प्रमाणपत्र जारी कर देते हैं बाबू को रजिस्टर ओर चढ़ा कर दे देना चाहिए वह क्यों नही देता क्या कारण नहीं बता सकते हैं। सूत्रों के अनुसार अगर इनके अलमारी का निरीक्षण किया जाए तो कई ऐसे सर्टिफिकेट मिलेंगे जिसमें हस्ताक्षर नहीं है और जिनमे है उन्हें दिया नही गया। वही अगर किसी दिव्यांग ने प्रमाण पत्र न देने पर उसका विरोध कीट बोर्ड के अध्यक्ष डॉ कनौजिया से मिलने को कहता है।

राम लक्ष्मण जानकी ट्रस्ट पर बिल्डरों व भू-माफियाओं की पैनी नजर

कानपुर। एक ओर जहाँ पूरे भारत मे भगवान राम जी की जमीन पर बिल्डरों व भूमाफियाओं द्वारा किये गये व किये जा रहे अवैध कब्जे को लेकर तहलका मचा हुआ है वहीं थाना फीलखाना क्षेत्र के अंतर्गत 25/35 कराचीखाना स्थित राम लक्ष्मण जानकी ट्रस्ट में रह रहे अध्यासियों/निवासियों को शहर के बिल्डरों व भूमाफियाओं ने अपने दलालों के माध्यम से जबरन खाली किये जाने का दबाव बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। जिसकी वजह से ट्रस्ट में रह रहे अध्यासियों/निवासियों में आक्रोश की ज्वाला भड़क चुकी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना फीलखाना क्षेत्र के अंतर्गत 25/35 कराचीखाना स्थित राम लक्ष्मण जानकी ट्रस्ट एक बहुत बड़ा हाता है इसमें कुछ परिवार 50 वर्षों से व कुछ 50 वर्षों से पूर्व अपने पूर्वजों के जीवनकाल से लगभग 22 परिवार के लोग निवास करते आबाद चले आ हैं। ट्रस्ट उपरोक्त में रह रहे समस्त परिवार अत्यंत गरीब व मजदूरी करके अपने अपने परिवारों का भरण पोषण करने वाले है। ट्रस्ट सम्पत्ति उपरोक्त के अतिरिक्त समस्त 22 परिवारों के पास इसके अलावा और कोई आशियाना नही है। समस्त परिवारों को मकान खाली करने को लेकर बिल्डरों व भूमाफियाओं की लगातार धमकियां मिल रही है। समस्त परिवार अपनी अपनी जान देने को राजी है लेकिन कोई भी अपना अपना मकान छोड़ने को तैयार नही। वहाँ के लोगों ने बताया कि यदि पुलिस या बिल्डरों व भूमाफियाओं ने जबरन हमारे घरों को खाली कराने की कोशिश की तो हम इन्कलाब की एक नई कहानी लिखेंगे। वहीं लोगों ने यह भी बताया कि इस ट्रस्ट सम्पत्ति मामले में न्यायालय सिविल जज जूनियर डिवीजन में वाद संख्या 706/2022 संतोष कुमार गुप्ता आदि बनाम राम लक्ष्मण जानकी मंदिर ट्रस्ट आदि नामक केस प्रचलन में है उसके बावजूद शहर के बिल्डरों व भूमाफियाओं की उपरोक्त ट्रस्ट सम्पत्ति पर अवैध कब्जा करने की नीयत बनी हुई है। जब से यूपी के सीएम योगी जी का सोशल मीडिया पर अवैध कब्जे को हटाये जाने का वीडियो वायरल हुआ तब से शहर के बिल्डरों व भूमाफियाओं ने सीएम योगी के आदेश का नाजायज फायदा उठाकर कानपुर नगर निगम के कुछ अधिकारियों व कानपुर पुलिस विभाग के कुछ उच्चाधिकारियों से साँठगाँठ कर पुलिस के माध्यम से 25/35 कराचीखाना स्थित राम लक्ष्मण जानकी ट्रस्ट में बुलडोजर चलवाकर अवैध कब्जा करने की योजना में है। जबकि ट्रस्ट उपरोक्त के समस्त 22 परिवार राम लक्ष्मण जानकी ट्रस्ट के विधिक किरायेदार है और किरायेदार के रूप में ट्रस्ट उपरोक्त में 50 वर्षों के पूर्व से निवास करते आबाद चले आ रहे है।

सतना की घटना पर कांग्रेसियों ने एकजुट होकर दिया करारा जवाब

कानपुर। मध्यप्रदेश के सतना जिले में पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा तोड़ने की कोशिश करने वालों को कानपुर में कांग्रेसियों ने एकजुट होकर करारा जवाब दिया।

पूर्व विधायक पंडित भूधरनारायन मिश्रा के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने एकता दिखाते हुए नेहरू के निर्वाण दिवस पर प्रभात फेरी निकाली और घंटाघर स्थित पंडित नेहरू की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि दी। करीब डेढ़ किलोमीटर प्रभात फेरी और श्रद्धांजलि सभा में भीड़ देखकर लोगों को लगा जैसे कानपुर में कांग्रेस जी उठी।

वयोवृद्ध कांग्रेसी शंकरदत्त मिश्रा बताते है कि, बीते कई सालों में नेहरू निर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा में इतनी भीड़ नहीं दिखी।

विधानसभा चुनाव में कानपुर से करारी हार के बाद भी एकजुट हुए कांग्रेसियों ने शहर को संगठन की ताकत दिखाते हुए संदेश दिया कि वोट भले ही न मिला हो पर कानपुर में कांग्रेस का वजूद मजबूत है। प्रभात फेरी और श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम के संयोजक पूर्व विधायक भूधरनारायण मिश्र ने बताया कि, सुबह 11ः30 बजे सभी कांग्रेसजन फूलबाग स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा पर एकत्र हुए और माल्यार्पण के बाद पार्टी फ्लैग लेकर करीब एक किलोमीटर लंबी प्रभात फेरी निकाली। टैक्सी स्टैंड चौराहा पर पहुंचकर श्रीमती इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद एक्सप्रेस वे होता हुआ घंटाघर चौराहे पर पहुंची जहां पर भीड़ श्रद्धांजलि सभा में परिवर्तित हो गई। शहर अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी ने बताया कि यहां पर सतना में पंडित नेहरू की प्रतिमा पर फासिस्ट ताकतों द्वारा प्रहार की घटना की निंदा की गयी।

वट सावित्री व्रत

शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

जेष्ठ अमावस्या को वट सावित्री व्रत की पूजा 30 मई 2022 यानी सोमवार को ही की जाएगी। तीस साल बाद सर्वार्थ सिद्धि योग में सोमवती अमावस्या का संयोग बन रहा है। सोमवती अमावस्या तिथि तो दो दिन रहेगी लेकिन अमा वट सावित्री का व्रत सोमवार, 30 मई 2022 को किया जाएगा।

वट सावित्री अमावस्या पूजा- विधि

- इस पावन दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत्त हो जाएं।
- घर के मंदिर में दीप प्रज्वलित करें।
- इस पावन दिन वट वृक्ष की पूजा का विशेष महत्व होता है।
- वट वृक्ष के नीचे सावित्रि और सत्यवान की मूर्ति को रखें।
- इसके बाद मूर्ति और वृक्ष पर जल अर्पित करें।
- इसके बाद सभी पूजन सामग्री अर्पित करें।
- लाल कलावा को वृक्ष में सात बार परिक्रमा करते हुए बांध दें।
- इस दिन व्रत कथा भी सुनें।
- इस दिन भगवान का अधिक से अधिक ध्यान करें।

, जरूर पढ़ें यह कथा

जेष्ठ अमावस्या को वट सावित्री व्रत की पूजा 30 मई 2022 यानी सोमवार को ही की जाएगी। तीस साल बाद सर्वार्थ सिद्धि योग में सोमवती अमावस्या का संयोग बन रहा है। सोमवती अमावस्या तिथि तो दो दिन रहेगी लेकिन अमा वट सावित्री का व्रत सोमवार, 30 मई 2022 को किया जाएगा। इसे वट सावित्री अमावस्या पूजा के नाम से भी जानते हैं। यह व्रत जेष्ठ माह अमावस्या को मनाया जाता है। वट सावित्री का व्रत पौराणिक कथा में वर्णित सत्यवान और सावित्री को समर्पित है। महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए यह व्रत रखती हैं। आचार्य शुक्ल ने बताया कि 29 मई को अमावस्या तिथि दोपहर करीब तीन बजे से शुरू हो जाएगी। 30 मई को शाम पांच बजे तक रहेगी। बताया कि पंचांगों के अनुसार सांयकालीन अमावस्या में व्रत करने का निर्देश है। ऐसे में 29 मई को ही व्रत रखना शास्त्रोचित होगा। हालांकि अमावस्या तिथि की पूजा 30 मई यानी सोमवार को ही की जाएगी। तीस साल बाद सर्वार्थ सिद्धि योग में सोमवती अमावस्या का संयोग बन रहा है। वट सावित्री अमावस्या को वट वृक्ष की पूजा की जाती है, लेकिन सोमवती अमावस्या होने के कारण इस बार पीपल के पेड़ का भी पूजन किया जाएगा। महिलाएं पीपल पर श्रृंगार सामग्री अर्पण करते हुए कच्चा सूत लपेटते हुए 108 परिक्रमा करने से अखंड सौभाग्य और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। वट सावित्री पूजा के दौरान कथा पढ़ने या सुनने का भी महत्व है।

वट सावित्री व्रत की कथा-

राजर्षि अश्वपति की एक संतान थी, जिसका नाम सावित्री था। सावित्री का विवाह अश्वपति के पुत्र सत्यवान से हुआ था। नारद जी ने अश्वपति को सत्यवान के गुण और धर्मात्मा होने के बारे में बताया था। लेकिन उन्हें यह भी बताया था कि सत्यवान की मृत्यु विवाह 1 साल बाद ही मृत्यु हो जाएगी। पिता ने सावित्री को काफी समझाया लेकिन उन्होंने कहा कि वह सिर्फ़ सत्यवान से ही विवाह करेंगी और किसी से नहीं। सत्यवान अपने माता-पिता के साथ वन में रहते थे। विवाह के बाद सावित्री भी उनके साथ में रहने लगीं। सत्यवान की मृत्यु का समय पहले ही बता दिया था इसलिए सावित्री पहले से ही उपवास करने लगी। जब सत्यवान की मृत्यु का दिन आया तो वह लकड़ी काटने के लिए जंगल में जाने लगा। सावित्री ने कहा कि आपके साथ जंगल में मैं भी जाऊंगी। जंगल में जैसे ही सत्यवान पेड़ पर चढ़ने लगा तो उनके सिर पर तेज दर्द हुआ और वह वृक्ष से आकर नीचे सावित्री की गोद में सिर रख कर लेट गए। कुछ समय बाद सावित्री ने देखा कि यमराज के दूत सत्यवान को लेने आए हैं। सावित्री पीछे पीछे यमराज के चलने लगी। जब यमराज ने देखा कि उनके पीछे कोई आ रहा है तो उन्होंने सावित्री को रोका और कहा कि तुम्हारा साथ सत्यवान तक धरती पर था अब सत्यवान को अपना सफर अकेले तय करना है। सावित्री ने कहा मेरा पति जहां जाएगा मैं वही उनके पीछे जाऊंगी, यही धर्म है। यमराज सावित्री के पतिव्रता धर्म से बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने एक वरदान मांगने को कहा। सावित्री ने अपने सास-ससुर की आंखों की रोशनी मांगी। यमराज ने वर देकर आगे बढ़े। फिर से सावित्री पीछे आ गई है। फिर एक और वरदान मांगने को कहा तब सावित्री ने कहा, मैं चाहती हूं मेरे ससुर का खोया हुआ राजपाट वापस मिल जाए। यह वरदान देकर यमराज आगे बढ़े। इसके बाद फिर वे सावित्री पीछे चल पड़ीं। तब यमराज ने सावित्री को एक और वर मांगने के लिए कहां तब उन्होंने कहा कि मुझे सत्यवान के 100 पुत्रों का वर दें। यमराज ने यह वरदान देकर सत्यवान के प्राण लौटा दिए। सावित्री लौटकर वृक्ष के पास आई और देखा कि सत्यवान जीवित हो गए हैं। ऐसे में इस दिन पति की लंबी आयु, सुख, शांति, वैभव, यश, ऐश्वर्य के लिए यह व्रत रखना चाहिए।

आज सूर्य की तरह चमकेगा इन राशियों का भाग्य

प. राघवेंद्र शर्मा से जानिए 30 मई 2022 को किन राशि वालों को होगा लाभ और किन राशि वालों को रहना होगा सावधान। पढ़ें मेष से लेकर मीन राशि तक का हाल...

मेष राशि- आत्मविश्वास में कमी रहेगी, परन्तु वाणी में मधुरता रहेगी। कारोबार विस्तार के लिए किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। लाभ के अवसर मिलेंगे। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

वृष राशि- कला एवं संगीत के प्रति रुझान रहेगा। वाणी में सौम्यता रहेगी। सन्तान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं। घर में धार्मिक कार्य होंगे।

कर्क राशि- मन प्रसन्न रहेगा। धर्मकर्म में व्यस्तता बढ़ सकती है। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। लंबी यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं।

सिंह राशि- नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्च बढ़ेंगे। आत्मसंयत रहें। क्रोध की अधिकता रहेगी। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं। धैर्यशीलता में कमी रहेगी।

कन्या राशि- मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा। वाहन सुख में वृद्धि होगी।

तुला राशि- आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु मन परेशान भी हो सकता है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार का साथ मिलेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। सन्तान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं। वस्त्रों एवं गहनों के प्रति रुझान बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि- वस्त्रों एवं वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। क्षणे रुष्टा-क्षणे तुष्टा के भाव रहेंगे। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। माता का सहयोग मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की सम्भावना बन रही हैं।

धनु राशि- मानसिक शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। नकारात्मक विचारों का प्रभाव रहेगा।

मकर राशि- नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी। वाहन सुख की प्राप्ति हो सकती है। खर्च बढ़ेंगे। मानसिक शान्ति रहेगी। किसी पारिवारिक सम्पत्ति से धन लाभ के योग बन रहे हैं। कला एवं संगीत में रुझान बढ़ सकता है।

कुंभ राशि- नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। बातचीत में संयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। धैर्यशीलता में कमी आएगी। सेहत का ध्यान रखें।

मीन राशि- मन प्रसन्न रहेगा। किसी पैतृक सम्पत्ति की प्राप्ति के योग बन रहे हैं। अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम अधिक रहेगा।

फेंगशुई टिप्स अपनाकर आप भी बन सकते हैं धनवान

भारतीय वास्तु शास्त्र और चीनी वास्तु शास्त्र में ज्यादा अंतर नहीं है। फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है। इसे चीन की दार्शनिक जीवन शैली भी कहा जाता है। चीनी वास्तु शास्त्र में भी पैसे, सुख-शांति और तरक्की संबंधी कई उपाय बताए गए हैं। अगर आप भी चाहते हैं कि आपके घर में सुख-शांति के साथ समृद्धि बनी रहे तो आप फेंगशुई के इन आसान उपायों को अपना सकते हैं।

1. मछलियों को जोड़े को घर में लटकाना शुभ माना जाता है। कहते हैं कि इससे धन लाभ के साथ नौकरी में तरक्की मिलती है।

2. लवबर्ड, मैंडरेन डक जैसी पक्षी प्रेम का प्रतीक माने गए हैं। इन पक्षियों की मूर्तियों का जोड़ा घर में रखना शुभ माना जाता है। फेंगशुई शास्त्र के अनुसार, इससे वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहती है।

3. घर के पूर्वोत्तर में तालाब या फव्वारा होना शुभ माना गया है। फेंगशुई के अनुसार, इसके पानी का बहाव घर की ओर होने मां लक्ष्मी का साथ सदैव बना रहता है।

4. घर में नदी, तालाब या झरने की तस्वीरों को हमेशा उत्तर दिशा में लगाना चाहिए। कभी भी हिसंक तस्वीरों को नहीं लगाना चाहिए। कहते हैं कि इससे नेगेटिव एनर्जी आती है।

5. अगर आपके ऑफिस में बड़ा हाल है तो फेंगशुई के अनुसार, वहां धातु से बनी कोई चीज रखना शुभ होता है। माना जाता है कि इससे तरक्की में बाधाएं नहीं आती हैं।

6. फेंगशुई के अनुसार, घर में काला कछुआ, लाल पक्षी, सफेद बाघ या ड्रैगन की तस्वीर घर में होना शुभ होता है। कहते हैं कि घर में नेगेटिव एनर्जी प्रवेश नहीं कर पाती।

7. फेंगशुई के अनुसार, हरे पौधों को मिट्टी के बर्तन में घर के अंदर पूर्व दिशा में रखना चाहिए।

चुटकियों में वजन कम कर देगा ये गर्मियों वाला फल, आज ही घर लें आएं रसीला फ्रूट

भारत में गर्मियों का मौसम वैसे तो परेशान करने वाला होता है, लेकिन कुछ लोग इस सीजन का बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि इस दौरान कुछ ऐसे ताजे और रसीले फल का दीदार होता है जो टेस्ट के किंग माने जाते हैं, इनमें से कुछ ऐसे फल हैं जिससे खाने से बढ़ता हुआ वजन कम हो सकता है, इनमें से एक है लीची, जो ज्यादातर लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करता है.

गर्मी के मौसम में जरूर खाएं लीची

गर्मियों के मौसम में अक्सर ये सलाह दी जाती है कि हमें ऑयली और मसालेदार फूड्स से दूर रहना चाहिए,

इसके बजाए ऐसी डाइट लेनी चाहिए जो शरीर में पानी की कमी न होने दे और वजन बढ़ने के लिए जिम्मेदार न हो. ऐसे में आप अगर लीची का सेवन करेंगे तो इससे सेहत को कई फायदे हो सकते हैं. तो चलिए जानते हैं कि लीची खाना आपके शरीर के लिए कैसे लाभकारी हो सकता है.

गर्मियों में लीची खाने के फायदे

◆ लीची खाने से मेटाबॉलिज्म मजबूत हो जाता है जो जैस पेट की चर्बी तेजी से कम होने लगती है.

◆ वजन बढ़ने से काफी लोग परेशान रहते हैं, चूंकि लीची में काफी कम कैलोरी होती है, तो ये वेट लूज करने में मदद करता है.

◆ लीची खाने से दिल की सेहत बेहतर होती है क्योंकि इस फल में पोटेशियम की मात्रा काफी ज्यादा पाई जाती है.

◆ अगर आप गर्भवती हैं या फिर नवजात बच्चे को स्तनपान कराती हैं तो ऐसे में लीची आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है.

◆ लिची विटामिन सी का रिच सोर्स है जिसकी वजह से शरीर की इम्यूनिटी बूस्ट होती है और कई तरह के संक्रमण से हमारा बचाव हो जाता है

◆ चूंकि लिची में विटामिन सी की भरपूर मात्रा पाई जाती है, तो ये लकवे के खतरे को कम कर देता

◆ लीची में कई ऐसे न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं जिससे हमारा डाइजेस्टिव सिस्टम बेहतर होता है और पेट से जुड़ी समस्याएं पैदा नहीं होतीं

◆ लीची में करीब 80 फीसदी वॉटर कंटेंट होता है, ऐसे में ये स्किन के लिए किसी औषधि से कम नहीं है, इसे खाने से चेहरा ग्लो करने लगता है.

9. लीची खाने से बुखार, जुकाम और गले में खराश जैसी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है

गर्मियों में इस तरह घर पर फटाफट बनाएं मैंगो प्रोटीन शेक

गर्मियों के मौसम में आम बेहद ही पसंदीदा फल होता है. लोग इससे अलग-अलग तरीकों से खाते हैं. कभी आम पन्ना बना के तो कभी जूस बना के पीते है .लेकिन क्या आप जानतें है की ये मौसमी फल को आप अपने एक्सरसाइज और जिम के बाद भी खा सकते है जी हां वो भी बिलकुल ही अलग तरीके से. यह है मैंगो प्रोटीन शेक जो काफी हेल्दी और टेस्टी होता हैं. बता दें आम में विटामिन और कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है जो शरीर में एनर्जी देने का काम करता है साथ ही प्रोटीन शेक में बादाम और दूध भी सेहत के लिए लाभकारी होता है . इस तरीके से यह आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद है. तो फिर चलिए हम यहां आपको बताएंगे की आप आम से कैसे प्रोटीन शेक बना कर अपनी सेहत का ध्यान रख सकते हैं?मैंगो प्रोटीन शेक बनाने के लिए सबसे पहले आम को ले और उससे छीलकर के छोटे छोटे हिस्सों मे काट ले इसमें फिर 4 से 5 बादाम को पीस के बादाम के पाउडर को कटे हुए आम में डालें और फिर बादाम पाउडर और आम को एक साथ ग्राइंड कर ले. जिससे आम अच्छी तरह से मैश हो जाएगा . इसके बाद इस मिक्चर में थोड़ा सा चीनी डाले और फिर से ग्राइंड कर ले जिससे चीनी भी आम और बादाम के साथ मिल जाएगी , साथ ही 1 चम्मच पनीर बटर भी डाले और 2 कप दूध डालकर अच्छी तरह से फेट ले और ऐसे में आपका टेस्टी और हेल्दी मैंगो प्रोटीन शेक रेडी है. अगर इसे आपको ठंडा पीना है तो या तो आप इसमें बर्फ डाल सकते हैं या फिर इसे थोड़ी देर फ्रिज में भी रख सकते हैं

भूलकर भी न दें इस दिन तुलसी में जल, नाराज हो सकती हैं मां लक्ष्मी

हिंदू धर्म में तुलसी का पौधा पूज्यनीय है। आमतौर पर हर किसी के घर या घर के आंगन में तुलसी का पौधा लगा जरूर मिल जाएगा। ऐसा माना जाता है कि इस पौधे से घर में मां लक्ष्मी का वास होता है। इसके साथ ही भगवान विष्णु की कृपा दृष्टि भी बनी रहती है। वास्तु शास्त्र में इस पौधे का विशेष महत्व है। इस पौधे में कई औषधीय गुण भी पाए जाते हैं।

शास्त्रों के अनुसार, हर दिन तुलसी के पौधे की पूजा करना व उसमें प्रतिदिन जल अर्पित करना शुभ माना जाता है। पर कुछ दिन ऐसे होते हैं, जब तुलसी के पौधे में जल चढ़ाना अशुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस दिन तुलसी के पौधे में जल चढ़ाने से धन हानि हो सकती है और घर में नेगेटिव ऊर्जा का वास होता है। जानें किस दिन तुलसी के पौधे में नहीं चढ़ाना चाहिए जल-

1. कहते हैं कि रविवार के दिन तुलसी के पौधे में जल नहीं चढ़ाना चाहिए और न ही पत्तियों को तोड़ना चाहिए।

2. ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, तुलसी के पौधे में अधिक जल चढ़ाने की बजाए उचित मात्रा में ही जल चढ़ाना चाहिए। वरना पौधा सूख जाता है या खराब हो जाता है।

3. एकादशी व सूर्य व चंद्रग्रहण के समय भी तुलसी पर न तो जल अर्पित करना चाहिए और न ही पत्ते तोड़ने चाहिए।

4. वास्तु के अनुसार, तुलसी का पौधा उत्तर या उत्तर पूर्व दिशा में ही लगाना चाहिए।

5. तुलसी के पौधे को कभी पूर्व दिशा में नहीं लगाना चाहिए। कहते हैं कि ऐसा करने से आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

6. अधिक ठंड या गर्मी में तुलसी का पौधा नष्ट हो सकता है, इसलिए पौधे के आसपास कपड़ा लगा सकते हैं।

घर पर फेंगशुई ऊंट रखने से मिलता है शुभ फल

वास्तु शास्त्र की तरह की फेंगशुई शास्त्र में धन और तरक्की संबंधी कई उपायों को बताया गया है। धन लाभ और तरक्की के लिए लोग कई तरह के उपाय करते हैं। फेंगशुई शास्त्र में ऊंट का शो-पीस लाइफ के मुश्किल समय को काटने में मदद करता है। फेंगशुई शास्त्र के अनुसार, अगर बिजनेस में लाभ नहीं हो रहा या कर्मचारी काम करने से जी चुराते हैं तो व्यापार में लाभ और प्रोडक्टिविटी को बढ़ाने के लिए ऊंट को लगाना शुभ होता है।

इसी तरह फेंगशुई के अनुसार, अगर व्यक्ति को करियर में लगातार असफलताओं का सामना करना पड़ रहा है या कड़ी मेहनत के बावजूद भी अपेक्षित रिजल्ट की प्राप्ति नहीं हो रही है। मान्यता है कि इस स्थिति में अपने स्टडीरूम या ऑफिस में ऊंट की मूर्ति को लगाने से शुभ लाभ मिलते हैं। कहा जाता है कि ऊंट की मूर्ति लगाने के बाद आप जो भी काम करते हैं, उनमें आपका फोकस बढ़ जाता है और करियर संबंधी दिक्कतें दूर हो जाती हैं।

मान्यता है कि अगर घर में धन संबंधी दिक्कत है तो ऊंट के जोड़े को घर में लाकर रखने से धन का आगमन तेजी से होता है। कहते हैं कि ऐसा करने से धीरे-धीरे आर्थिक स्थिति सुधरने लगती है। घर में पॉजिटिव और खुशनुमा माहौल रखने के लिए एक, दो या कई ऊंट की तस्वीर या ऊंट के जोड़ों की मूर्ति को घर पर उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाना चाहिए। कहते हैं कि ऐसा करने से घर के सदस्यों को मानसिक तौर पर शांति मिलती है।

अमिताभ से पहली मुलाकात के वक्त नशे में धुत थे मनोज

कहा- जैसे ही उनको देखा, सच में लगा कि..

अभिनेता मनोज बाजपेयी और अमिताभ बच्चन की गिनती बॉलीवुड के बेहतरीन सितारों में होती है। अमिताभ बच्चन और मनोज बाजपेयी ने अपनी बेहतरीन अदाकारी का जलवा कई फिल्मों में बिखेरा है। अमिताभ और मनोज की तगड़ी फैन फॉलोइंग है और सेलेब्स उनके ऑनस्क्रीन ही नहीं बल्कि ऑफस्क्रीन भी खूब पसंद करते हैं। जरा सोचिए इन दोनों सितारों की पहली मुलाकात कितनी खास रही होगी, लेकिन क्या आपा जानते हैं कि अमिताभ संग पहली मुलाकात के वक्त मनोज बाजपेयी शराब के नशे में थे।

सत्या की स्क्रीनिंग में पहुंचे थे अमिताभ

हाल ही में लल्लनटॉप से बातचीत के दौरान मनोज बाजपेयी ने जिंदगी के कई किस्सों पर खुलकर बात की। मनोज ने बातचीत के दौरान बताया कि वो निर्देशक राम गोपाल वर्मा और क्रिटिक खालिद के साथ बाहर गाड़ी में पी रहे थे, जब अमिताभ बच्चन और उनका परिवार सत्या की स्क्रीनिंग देख रहे थे। फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद वो बिग बी से मिलने के लिए काफी नर्वस थे और कार से बाहर आने से इनकार कर दिया।

.... और ये हैं श्री अमिताभ बच्चन

मनोज ने आगे कहा कि खालिद ने उन्हें चालाकी से गाड़ी से बाहर कर दिया और गाड़ी अंदर से बंद कर दी, और कहा कि उन्हें जाकर अपने आइडल से मिलना चाहिए। अभिनेता ने कहा कि वो बहुत कंफ्यूज थे कि वो कहां जाए, ऐसे में वॉशरूम में छिपने जा ही रहे थे कि पीछे से अभिषेक की आवाज आई जो उन्हें बधाई दे रहे थे। मनोज आगे कहते हैं, %उसने बहुत तारीफ करनी शुरू की और बात करता रहा। तब तक पीछे से एक आदमी प्रकट होता है... ये सिनेमैटिक है पूरा। एक लंबा सा कद वाला आदमी पीछे से आया और वो मेरी तरफ देख रहे हैं और ये हैं श्री अमिताभ बच्चन और इनको पर्दे पे देखने के बाद पहली बार देख रहा था मैं... और वो भी नशे में हूं मैं।

सीटी की आवाज तेज हो रही और नशा भी है...

इंटरव्यू में मनोज ने आगे कहा, जैसे ही उनको देखा, सच में लगा कि कान से सीटी सी आवाज निकली। सीटी सुनाई दे रही है मुझे ... वो कुछ बोल रहे हैं, जो मुझे उनकी आवाज सुनाई दे रही है लेकिन क्या बोल रहे हैं मुझे समझ नहीं आ रहा, और थोड़ा बहुत नशा भी है। इस किस्से के आखिर में मनोज ने कहा कि वो कभी नहीं भूल सकते कि उन्होंने अमिताभ बच्चन को गले लगाया। मनोज कहते हैं, अंत में मैं ये बोलता हूं किसी तरह से साहस करके क्या मैं आपको गले लगा सकता हूं? एक

सेकेंड के लिए वो रुकते हैं और फिर कहते हैं- अरे भाई क्यों नहीं। उन्होंने मुझे लगाया और वो पल में कभी नहीं भूल सकता हूं। गौरतलब है कि अमिताभ और मनोज बाजपेयी फिल्म अक्स, सत्याग्रह और आरक्षण में एक साथ काम कर चुके हैं।

दया बेन को लेकर ये क्या बोल गए जेठालाल

टीवी के पॉपुलर कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा को काफी पसंद किया जाता है। शो के हर किरदार को दर्शक काफी प्यार करते हैं। काफी समय से शो से दया बेन गायब हैं। शो में दया बेन का किरदार दिशा वकानी निभाती थीं। हाल ही में खबर आई कि दिशा शो पर वापसी कर सकती हैं। दिलीप जोशी जो शो में जेठालाल का किरदार मिभाते हैं उन्होंने अब दिशा की वापसी की खबरों पर अपना रिएक्शन दिया है। बता दें कि साल 2017 से दिशा मैटरनिटी ब्रेक पर गई थीं और तब से लेकर अब वह शो पर वापस नहीं आई हैं। दिलीप का कहना है कि दिशा शो में वापस आएंगी या नहीं ये तो सिर्फ प्रोडक्शन हाउस जानती है।

दिशा को लेकर क्या बोले दिलीप

दिलीप ने पिंकविला को दिए इंटरव्यू में कहा, वह वापस आ रही हैं या नहीं, ये तो प्रोडक्शन हाउस को ही पता है और मैं इसमे नहीं घुसना चाहता। हालांकि मैं इस बात को लेकर काफी खुश हूं कि दया बेन के ना होने से भी दर्शकों ने शो को उतना ही प्यार दिया है।

दूसरे बेबी की मां बनीं दिशा

बता दें कि दिशा दूसरे बेबी की मां बनी हैं। साल 2017 में बेटी की मां बनने के बाद अब उन्होंने बेटे को जन्म दिया है। दिशा के भाई और तारक मेहता शो में सुंदर लाल का किरदार निभा रहे मयूर वकानी ने इस बात को कन्फर्म किया है। उन्होंने कहा वह बहुत खुश हैं कि वह दूसरी बार मामा बन गए हैं।

प्रोड्यूसर क्या बोले दया बेन की वापसी पर

कुछ दिनों पहले शो के प्रोड्यूसर असित मोदी ने एक इंटरव्यू में दया बेन की वापसी पर कहा, दया बेन वापस जरूर आने वाली है। मुझे नहीं पता कि दिशा वकानी, दया बेन बनकर आएंगी या और। हमारे दिशा जी के साथ अब भी अच्छे रिश्ते हैं। हम परिवार के जैसे हैं। लेकिन अब वह शादीशुदा हैं और उनके बच्चे भी हैं। सभी अपनी जिम्मेदारियों के साथ बिजी हो जाते हैं। हम सभी की पर्सनल लाइफ है तो वह वापस आएंगी या नहीं इस बारे में अभी मैं कमेंट नहीं कर सकता। लेकिन जो भी दिशा बेन या निशा बेन हो, आपको दया बेन जरूर मिलेंगी। हम अपने दर्शकों के लिए शो को और इंट्रेस्टिंग और एंटरटेनिंग बनाएंगे।

सुनील दत्त की पुण्यतिथि 25 मई

मेरे पिता मेरी प्रेरणा थे : संजय दत्त

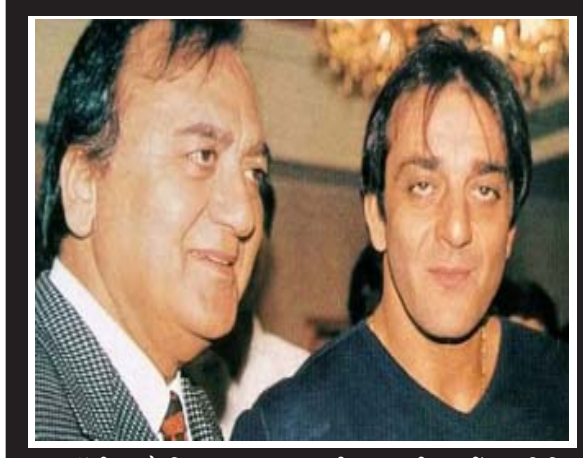

बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार सुनील दत्त की 17 वीं पुण्यतिथि पर, संजय दत्त ने दिवंगत अभिनेता की एक पुरानी तस्वीर साझा की। 25 मई, 2005 को सुनील दत्त का निधन हो गया था। बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार सुनील दत्त की 17 वीं पुण्यतिथि पर, संजय दत्त ने दिवंगत अभिनेता की एक पुरानी तस्वीर साझा की। 25 मई, 2005 को सुनील दत्त का निधन हो गया था। मुन्ना भाई एमबीबीएस अभिनेता ने अपने पिता के लिए एक भावनात्मक नोट भी पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि उनके पिता उनकी शक्ति, प्रेरणा और हर जरूरत में सहारा थे।

संजय दत्त अक्सर अपने दिवंगत माता-पिता, सुनील दत्त और नरगिस को याद करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लेते हैं। बुधवार 25 मई को अपने पिता की 17 वीं वर्षगांठ पर, संजय ने दिवंगत अभिनेता के साथ उनकी एक पुरानी तस्वीर के साथ अपने रिश्ते के प्यार को बयां किया है। संजय दत्त ने उस पर एक हार्दिक नोट साझा किया।

उन्होंने लिखा कि आप हमेशा मेरा मार्गदर्शन करने और मेरी रक्षा करने के लिए थे। आप मेरी ताकत, प्रेरणा और हर जरूरत में सहारा थे। आप हमेशा मेरे दिल में रहेंगे पिताजी, मुझे याद आती है।

भाषा एक है या नहीं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता

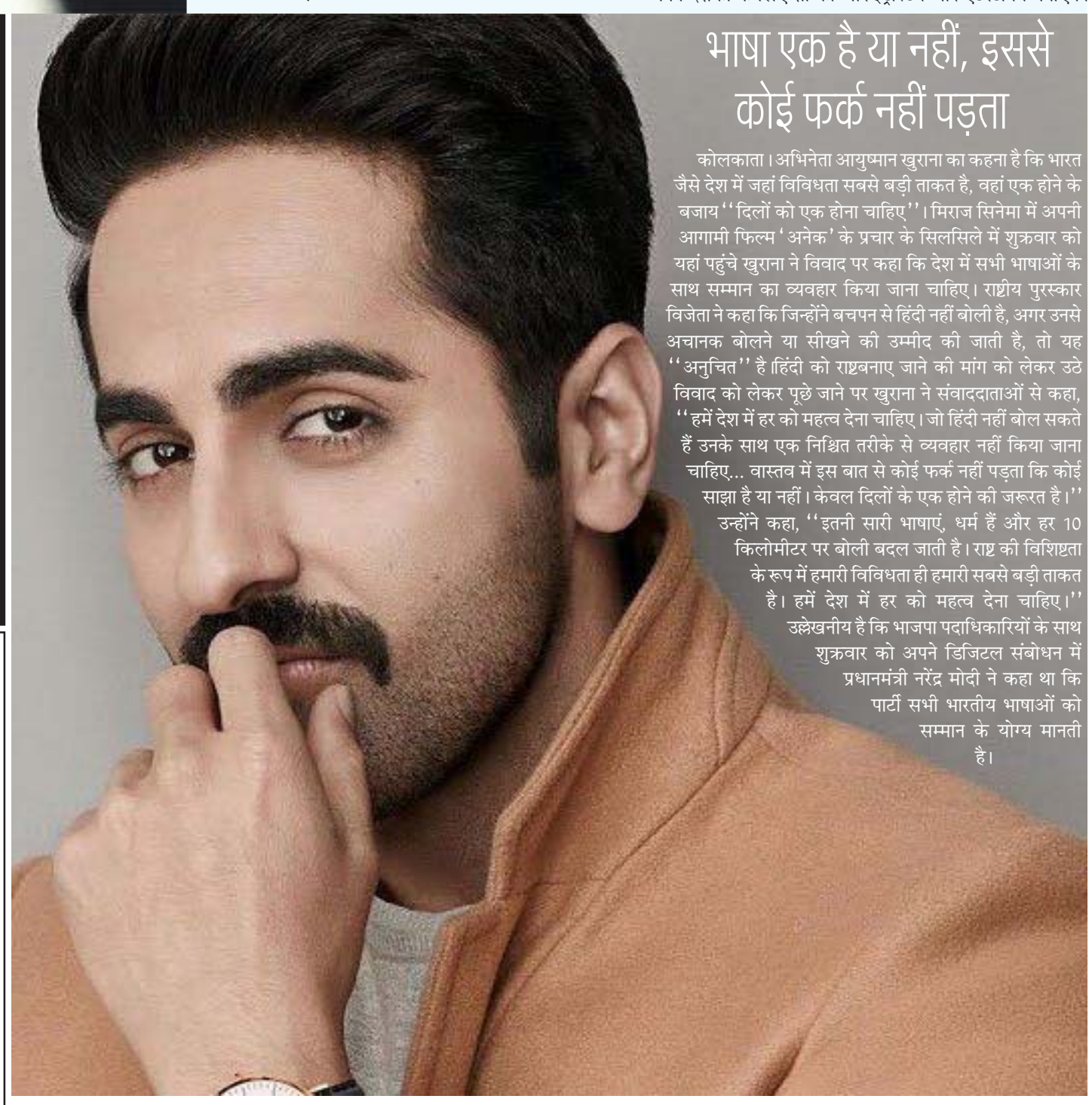

कोलकाता। अभिनेता आयुष्मान खुराना का कहना है कि भारत जैसे देश में जहां विविधता सबसे बड़ी ताकत है, वहां एक होने के बजाय ''दिलों को एक होना चाहिए''। मिराज सिनेमा में अपनी आगामी फिल्म 'अनेक' के प्रचार के सिलसिले में शुक्रवार को यहां पहुंचे खुराना ने विवाद पर कहा कि देश में सभी भाषाओं के साथ सम्मान का व्यवहार किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता ने कहा कि जिन्होंने बचपन से हिंदी नहीं बोली है, अगर उनसे अचानक बोलने या सीखने की उम्मीद की जाती है, तो यह ''अनुचित'' है।हिंदी को राष्ट्रबनाए जाने की मांग को लेकर उठे विवाद को लेकर पूछे जाने पर खुराना ने संवाददाताओं से कहा, ''हमें देश में हर को महत्व देना चाहिए। जो हिंदी नहीं बोल सकते हैं उनके साथ एक निश्चित तरीके से व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए... वास्तव में इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई साझा है या नहीं। केवल दिलों के एक होने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, ''इतनी सारी भाषाएं, धर्म हैं और हर 10 किलोमीटर पर बोली बदल जाती है। राष्ट्र की विशिष्टता के रूप में हमारी विविधता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। हमें देश में हर को महत्व देना चाहिए।'' उल्लेखनीय है कि भाजपा पदाधिकारियों के साथ शुक्रवार को अपने डिजिटल संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि पार्टी सभी भारतीय भाषाओं को सम्मान के योग्य मानती है।

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मुमताज

इंटरव्यू में किए शादी से जुड़े कई खुलासे

अफेयर के बारे में पूछे जाने पर मुमताज ने जवाब दिया कि सच कहूं तो इन सब के बाद मुझे अकेलापन महसूस होने लगा। मुझे दुख हुआ। इसलिए, मैं भारत आ गयी। जब आप कांटों के बीच होते हैं और कोई गुलाब के साथ आता है, तो आप बहक जाते हैं। लेकिन कुछ भी गंभीर नहीं था।

70 के दशक की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्री मुमताज इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में बनी हुई हैं। बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अपनी शादीशुदा जिंदगी में बारे में बात की। इस दौरान उन्होंने खुलासा किया कि शादी में रहते हुए भी उनका किसी और मर्द के साथ अफेयर था। मुमताज की इस बात ने लोगों के होश उड़ा दिए हैं। अभिनेत्री के इस खुलासे के बाद इंटरनेट पर उबाल सा आ गया है और हर जगह अफेयर के चर्चे हो रहे हैं। मेरे पति का भी एक औरत के साथ अफेयर था। मैं उनका सम्मान करती हूं क्योंकि उन्होंने खुद मुझे अपने अफेयर के बारे में बताया था। उन्होंने स्वीकार किया कि वह अमेरिका में एक लड़की को पसंद करने लगे थे। उनका जन्म और पालन-पोषण अमेरिका में हुआ था। लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा, ''मुमताज़, तुम मेरी पत्नी हो। मैं तुमसे प्यार करता हूं और हमेशा तुमसे प्यार करता रहूंगा। में तुम्हे कभी नहीं छोड़ूंगा। हमारी शादी में समस्या इसलिए पैदा हुई क्योंकि मैं थोड़ी ज़िद्दी और नकचिडी थी। लेकिन आज यह एक भूली-बिसरी कहानी है। माफ़ तो ज़िंदगी में एक बार खुदा भी करता है। मैं रानी की तरह रहती हूं। मेरे पति ने मुझे कभी किसी चीज की कमी नहीं होने दी। अभिनेत्री से उनके अफेयर के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने जवाब दिया कि सच कहूं तो इन सब के बाद मुझे अकेलापन महसूस होने लगा। मैं थोडी रूबवाली थी। मुझे दुख हुआ। इसलिए, मैं भारत आ गयी। जब आप कांटों के बीच होते हैं और कोई गुलाब के साथ आता है, तो आप बहक जाते हैं। लेकिन कुछ भी गंभीर नहीं था। यह बस एक अस्थायी चरण, जो जल्द ही समाप्त हो गया। मैं खुशनसीब हूं कि मेरे पति अब भी मुझसे उतना ही प्यार करते हैं। अगर मैं थोड़ी भी बीमार पड़ जाऊं, तो घर में हंगामा खड़ा हो जाता है। मुमताज ने साल 1974 में बिजनेसमैन मयूर माधवानी से शादी की थी।

भोजपुरी फिल्म 'हर हर गंगे' की शूटिंग वाराणसी में जारी

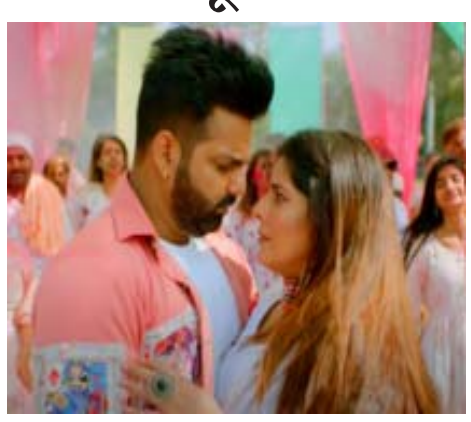

भोजपुरी फिल्मों के स्टार पवन सिंह और स्मृति सिन्हा जल्द ही यशी फिल्म्स के बैनर तले बन रही दो फिल्मों में नजर आएंगे जिसकी शूटिंग लंदन में हुई है और कुछ मुम्बई में होने वाली है। स्मृति सिन्हा इन दिनों चंदन उपाध्याय के निर्देशन में बन रही फिल्म 'हर हर गंगे' के शूटिंग में व्यस्त हैं ।फ़िल्म की शूटिंग वर्तमान समय में वाराणसी के विभिन्न रमणीय लोकेशनों पर की जा रही है। कहा जाता है कि पवन सिंह और स्मृति सिन्हा स्टारर इस फिल्म की कहानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ गंगा अभियान से प्रेरित है। पवन सिंह का रोल इस फ़िल्म में उनके फैंस के लिए सरप्राइज पैकेज होगा वहीं स्मृति अपने किरदार को लेकर भी काफी उत्साहित है ।फ़िल्म मनोरंजक होने के साथ साथ एक जरुरी सन्देश भी देती है। अदाकारा स्मृति सिन्हा बैक टू बैक पवन सिंह के साथ काम कर रही हैं। दोनों की केमिस्ट्री और जुगलबंदी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रही है। इन दिनों पवन सिंह के साथ स्मृति सिन्हा का गीत 'साड़ी से ताड़ी' यूटयूब पर ट्रेंडिंग नंबर वन सांग बना हुआ है जिसे मात्र छः दिनों में 10मिलियन से ज्यादा दर्शकों का प्यार मिल चुका है ।स्मृति सिन्हा ने जब से भोजपुरी इंडस्ट्री में पवन सिंह के साथ कमबैक किया है, उनके प्रोजेक्ट्स वायरल हो रहे हैं।अब इनकी जोड़ी एक बार फिर से बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार है।

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

निर्देशक साजन अग्रवाल की नवीनतम प्रस्तुति हिंदी वीडियो एल्बम 'एक लड़की'

फिल्मी क्लैप प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले निर्देशक साजन अग्रवाल के निर्देशन में बनने वाली हिंदी वीडियो एल्बम 'एक लड़की' का एक गीत संगीतकार सुमित साहा के संगीत निर्देशन में ऋषभ गिरी के स्वर में कृष्णा स्टूडियो (मुम्बई) में रिकॉर्ड कर लिया गया है। इस गीत को लिखा है साजन अग्रवाल ने ।इस वीडियो एल्बम को गुरुजी कैलाश रायगर प्रोड्यूस कर रहे हैं।निर्देशक साजन अग्रवाल के निर्देशन में निर्मित 'माँ ओ माँ' जो बॉलीवुड में अदाकारा मंदाकिनी की वापसी का प्रतीक है। इसके बाद 'एक लड़की' उनकी नवीनतम प्रस्तुति है। 2010 से संगीत के क्षेत्र में सक्रिय असम की धरती से जुड़े युवा संगीतकार सुमित साहा ने इस हिंदी वीडियो एल्बम के लिए आमलीक से हट कर कर्णप्रिय संगीत दिया है। इस लव ट्राएंगल संगीतमय स्टोरी में रूचि गुर्जर, अमन वर्मा और जुबिन साहा नजर आएंगे।

इन खिलाड़ियों के दम पर दूसरी बार फाइनल में जगह बनाना चाहेगी बैंगलोर और राजस्थान की टीम

नई दिल्ली, आनलाइन डेस्क। इंडियन प्रीमियर लीग 2022 का कारवां पहुंच गया है अहमदाबाद जहां क्वालीफायर 2 के मुकाबले में रायल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम का सामना राजस्थान रायल्स के साथ होगा। इस मैच को जीतकर बैंगलोर के पास दूसरी बार फाइनल में पहुंचने का मौका है लेकिन संजू सैमसन की टीम के सामने यह आसान काम नहीं होगा। लीग स्टेज में राजस्थान की टीम बैंगलोर को हरा चुकी है इसलिए बैंगलोर के पास उस मैच का बदला लेने के साथ-साथ फाइनल में जगह बनाने का मौका होगा। राजस्थान के लिए यह लीग मिला-जुला रहा है। टीम ने शुरुआत धमाकेदार तरीके से की लेकिन आखिर में कुछ मैच गंवाए और नंबर 2 पर अपना लीग मैच खत्म किया।राजस्थान की ओपनिंग जोड़ी- यशस्वी जायसवाल और जोस बटलर के रूप में टीम के पास अच्छी ओपनिंग जोड़ी है। क्वालीफायर 1 में बटलर की पारी ने राजस्थान की उम्मीदों को बढ़ा दिया है। दूसरी तरफ क्वालीफायर को छोड़ कर पिछले कुछ मैचों में युवा जायसवाल ने भी अच्छे हाथ दिखाए हैं। राजस्थान का मध्यक्रम- मध्यक्रम में टीम की कमान कप्तान संजू सैमसन, देवदत्त पाडिक्कल, शिमरोन हेटमायर और रियान पराग के हाथों में है। हालांकि पराग को ज्यादा बल्लेबाजी करने के मौके नहीं मिले हैं लेकिन अश्विन ने बल्ले से अच्छा काम किया है। हेटमायर ने फिनिशर के रोल में अच्छा काम किया था लेकिन पिछले कुछ मैचों से उनका बल्ला खामोश है।

बेटे को आईपीएल में मौका नहीं मिलने को लेकर बोले सचिन रास्ता मुश्किल, मेहनत जारी रखो

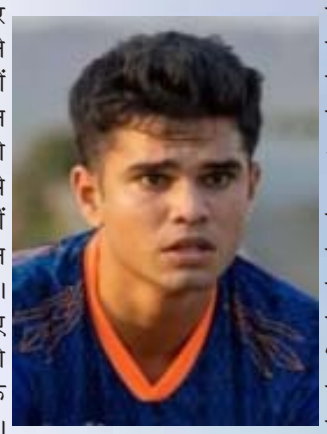

आईपीएल 2022 अब अपने आखिरी चरण में है। प्लेऑफ के मुकाबले खेले जा रहे हैं। इस पार की आईपीएल में कई नए खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा से सबको आश्चर्यचकित किया है। हालांकि, कुछ ऐसे खिलाड़ी भी रहे हैं जिन्हें इस बार भी आईपीएल के मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला।उन्हीं खिलाड़ियों में से सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर भी हैं। अर्जुन तेंदुलकर को इस बार भी मुंबई इंडियंस की ओर से एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। मुंबई इंडियंस ने अर्जुन तेंदुलकर को 30 लाख में खरीदा था। लगातार इस बात के कयास लगाए जाते रहे कि अर्जुन तेंदुलकर को मुंबई इंडियंस की ओर से एक न एक मैच खेलने का मौका मिलेगा। हालांकि ऐसा नहीं हुआ। पिछले दो सत्र से अर्जुन तेंदुलकर मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े हुए हैं। हालांकि अब तक 28 मैच में वह बेंच पर ही बैठे हैं। अब इसी को लेकर पहली बार अर्जुन तेंदुलकर के बेटे सचिन तेंदुलकर ने अपनी चुप्पी तोड़ी है।

आईपीएल में अर्जुन तेंदुलकर का मौका नहीं मिलने को लेकर सचिन तेंदुलकर ने अपने बेटे से कहा कि राह चुनौतीपूर्ण होने वाली है और इसके लिए उन्हें कड़ी मेहनत जारी रखनी होगी। इसके साथ ही सचिन तेंदुलकर ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि वे टीम के चयन के मामलों में कभी भी हस्तक्षेप नहीं करते हैं। आपको बता दें सचिन तेंदुलकर मुंबई इंडियंस के लिए मेंटर भी हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज और बाएं हाथ के बल्लेबाज अर्जुन को पांच बार के आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियन्स ने अपने साथ जोड़ा था। हालांकि अब के दो सत्र में अर्जुन को एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला। कई विश्व रिकॉर्ड अपने नाम करने वाले तेंदुलकर ने कहा कि अर्जुन के साथ हमेशा मेरी यही बात होती है कि डगर चुनौतीपूर्ण होगी, यह मुश्किल होगी। तुमने क्रिकेट खेलना शुरू किया क्योंकि तुम्हें क्रिकेट से प्यार है, ऐसा करना जारी रखो, कड़ी मेहनत जारी रखो और नतीजे मिलेंगे।

तेंदुलकर से जब यह पूछा गया कि क्या वह इस साल अर्जुन को खेलते हुए देखना पसंद करते तो उन्होंने शो 'सैचइनसाइट' पर कहा, ''यह अलग सवाल है। मैं क्या सोच रहा हूं या मैं क्या महसूस कर रहा हूं यह महत्वपूर्ण नहीं है। सत्र खत्म हो चुका है (मुंबई इंडियन्स के लिए)।'' दो सौ टेस्ट खेलने वाले एकमात्र क्रिकेटर तेंदुलकर ने कहा कि जहां तक चयन का सवाल है तो वह इसे टीम प्रबंधन पर छोड़ देते हैं। तेंदुलकर ने कहा कि अगर हम चयन के बारे में बात करते हैं तो मैं कभी स्वयं को चयन में शामिल नहीं करता। मैं ये सारी चीजें टीम प्रबंधन पर छोड़ देता हूं क्योंकि मैंने हमेशा ऐसे ही काम किया है। बाइस साल के अर्जुन ने अपने करियर में अब तक अपनी घरेलू टीम मुंबई की ओर से सिर्फ दो टी20 मुकाबले खेले हैं।

लखनऊ सुपरजाइंट्स के बाहर होने पर बोले गौतम गंभीर, हम मजबूत होकर वापस आएंगे

आईपीएल 2022 के एलिमिनेटर मुकाबले में लखनऊ सुपरजाइंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बीच मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले को बेंगलोर ने 14 रनों से जीत लिया। इस जीत के साथ ही बेंगलोर और राजस्थान के बीच अब आईपीएल के फाइनल में पहुंचने के लिए क्वालीफायर मुकाबला खेला जाएगा। वहीं लखनऊ का इस बार के आईपीएल में अभियान खत्म हो गया। लखनऊ की टीम पहली बार आईपीएल 2022 में शामिल हुई थी। टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। हालांकि आखरी के कुछ मैचों में टीम ने अहम मौकों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। इन सबके बीच गौतम गंभीर ने लखनऊ के आईपीएल से बाहर होने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। गौतम गंभीर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट में गौतम गंभीर ने लिखा है कि हम मजबूती के साथ वापसी करेंगे।अपने इंस्टाग्राम पर गौतम गंभीर ने लिखा कि हमारी नई टीम के लिए एक शानदार टूर्नामेंट रहा है। जब हम दोबारा मिलेंगे, तब हम मजबूत होकर वापस आएंगे। आपको बता दें कि गौतम गंभीर लखनऊ सुपरजाइंट्स के मेंटॉर हैं। गौतम गंभीर लगातार टीम के साथ सक्रिय रहते हैं। वही, हार के बाद लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने कहा कि हमने कुछ मैच जीते लेकिन लक्ष्य का पीछा करते हुए उतने कामयाब नहीं रहे। हमें यह सीखना होगा। मेरे लिये बाकी सत्र की तरह यह सत्र भी अच्छा सबक रहा। एक टीम के रूप में यह काफी चुनौतीपूर्ण था और हमने बहुत कुछ सीखा। उन्होंने यह भी कहा कि लचर क्षेत्ररक्षण ने टीम की राह और मुश्किल कर दी।रजत पाटीदार के करियर के पहले शतक से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग के एलिमिनेटर में लखनऊ सुपर जाइंट्स को 14 रन से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। आरसीबी ने पाटीदार की 54 गेंद में 12 चौकों और सात छक्कों से नाबाद 112 रन की पारी और दिनेश कार्तिक (नाबाद 37) के साथ पांचवें विकेट के लिए सिर्फ 6.5 ओवर में 92 रन की अटूट साझेदारी से चार विकेट पर 207 रन बनाए। पाटीदार ने विराट कोहली (25) के साथ भी दूसरे विकेट के लिए 66 रन जोड़े। पाटीदार और कार्तिक ने डेथ ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी की जिससे आरसीबी की टीम अंतिम पांच ओवर में 84 रन बटोरने में सफल रही। पाटीदार मौजूदा सत्र में शतक जड़ने वाले चौथे बल्लेबाज हैं।

यूपी के रणजी खिताब के लिए राह आसान बनाएंगे कुलदीप और भुवनेश्वर

दूसरे चरण में रणजी के चार क्वार्टर फाइनल छह से 10 जून तक खेले जाएंगे। इसके क्वार्टर फाइनल में बंगाल का सामना झारखंड मुंबई की भिड़ंत उत्तराखंड कर्नाटक का मुकाबला उप्र और अंतिम क्वार्टर फाइनल में पंजाब और मध्य प्रदेश आमने-सामने होगी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) की ओर से आयोजित सबसे बड़ी घरेलू श्रृंखला रणजी के नाकआउट मुकाबलों की शुरुआत छह जून से बेंगलुरू में हो रही है। यहां उप्र, कर्नाटक के खिलाफ जीत हासिल कर वर्ष 2005-06 से चले आ रहे रणजी खिताब के सूनेपन को खत्म करने का प्रयास करेगी। कर्नाटक के खिलाफ होने वाले नाकआउट मैच में उप्र से भारतीय टीम के चाइनामैन कुलदीप यादव और तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को टीम में शामिल किया जा सकता है। इसके लिए उप्र क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) योजना बना रहा है।रणजी का खिताब हासिल करने के लिए इस बार उप्र की टीम पूरी तैयारी के साथ उतरना चाहती है। आइपीएल के 15वें सीजन में शानदार गेंदबाजी कर कुलदीप व भुवनेश्वर खुद को साबित कर चुके हैं। जिसके चलते इन खिलाड़ियों का चयन साउथ अफ्रीका के साथ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए हुआ है। पूर्व खिलाड़ियों के मुताबिक, बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में माहिर इन खिलाड़ियों के शामिल होने से निश्चित रूप से उप्र अन्य टीमों से मजबूत होगी।हालांकि कमला क्लब में पिछले कई दिनों से तैयारी कर रही उप्र की टीम जल्द लखनऊ के इकाना स्टेडियम में नाकआउट की तैयारी करने उतरेगी। उप्र से चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव और तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार भी शामिल हो सकते हैं। कोरोना संक्रमण और आइपीएल मैचों के चलते इस बार रणजी का आयोजन दो चरणों में किया गया है।अब दूसरे चरण में रणजी के चार क्वार्टर फाइनल छह से 10 जून तक खेले जाएंगे। इसके क्वार्टर फाइनल में बंगाल का सामना झारखंड, मुंबई की भिड़ंत उत्तराखंड, कर्नाटक का मुकाबला उप्र और अंतिम क्वार्टर फाइनल में पंजाब और मध्य प्रदेश आमने-सामने होगी।

वो खेल जो भारत में जन्में,अब अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर खेले जाते हैं

भारत में प्राचीन काल से ही मनोरंजन और शारीरिक फिटनेस के लिए कई तरीके के खेल खेले जाते रहे हैं। इनडोर खेलों से लेकर आउटडोर खेलों तक, कुछ अब अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर खेले जाते हैं। तो आइये जान लेते है भारत के वो लोकप्रिय खेल जिन्हें अब दुनियाभर में खेला जाता है।

चेस-शतरंज भारत का सबसे पुराना खेल है। आज जिस तरह से चेस खेला जाता है, उसके विपरीत यह एक चेकर बोर्ड पर पासे के साथ खेला जाता था, लेकिन बिना काले और सफेद वर्गों के।कुछ साल बाद इस खेल को चतुरंगा (क्वाड्रिपार्टाइट) कहा जाने लगा। इसे चार भागों में विभाजित किया जाता था, जो एक सेना की चार शाखाओं के प्रतीक होते थे। वास्तविक प्राचीन भारतीय सेना की तरह, इसमें हाथी, रथ, घोड़े और सैनिक नामक टुकड़े थे, और इसे युद्ध की रणनीति तैयार करने के लिए खेला जाता था।600 ष्ट्श्व में, फारसियों ने इस खेल को सीखा और इसका नाम शत्रुंज रखा।%चेकमेट% खेल में फारसी शब्द %शाह-मत% से आया है, जिसका अर्थ है %राजा मर चुका है%।

कैरम-स्ट्राइक-एंड-पॉकेट टेबल गेम जो पूरे दक्षिण एशिया और कुछ मध्य-पूर्वी देशों में लोकप्रिय रूप से खेला जाता है, कैरम की उत्पत्ति भारतीय उपमहाद्वीप में हुई है। हालांकि इसका कोई विशेष प्रमाण नहीं है, लेकिन ऐसा कहा जाता है कि भारतीय महाराजाओं ने सदियों पहले इस खेल का आविष्कार किया था। आप पटियाला और पंजाब में एक प्राचीन ग्लास कैरम बोर्ड देख सकते हैं। कैरम ने प्रथम विश्व युद्ध के बाद लोकप्रियता हासिल की, और अब इसे पारिवारिक या सामाजिक समारोहों में मनोरंजन के लिए खेला जाता है।

लूडो-लूडो एक बोर्ड गेम है जिसे हम सभी ने कम से कम एक बार तो अपने लाइफ में खेला ही है। पहले भारत में इसे पच्चीसी कहा जाता था, और बोर्ड कपड़े या जूट से बना होता था। महाराष्ट्र में अजंता की गुफाओं में पचीसी का चित्रण मिलता है, जिससे पता चलता है कि मध्यकालीन युग में यह खेल काफी लोकप्रिय था। अकबर जैसे भारत के मुगल बादशाहों को भी पचीसी खेलना पसंद था। 19वीं सदी के अंत में, इंग्लैंड में एक ही खेल के विभिन्न रूपांतर खेले गए; 1896 में, एक ऐसा ही खेल दिखाई दिया जिसे लूडो कहा जाता था, और इस प्रकार नाम का पेटेंट लूडो कराया गया।

सांप और सीढ़ी-प्राचीन भारत में, सांप और सीढ़ी को मोक्षपट, मोक्षपत और परम पदम कहा जाता था। 13वीं शताब्दी में संत ज्ञानदेव द्वारा निर्मित, बच्चों को अच्छे संस्कार सिखाने के लिए हिंदू धर्म में गुणों के इस खेल का इस्तेमाल किया गया था। सांप दोष और सीढ़ी गुणों का प्रतिनिधित्व करते थे।

जिन वर्गों में सीढ़ियाँ होती उनमें सद्गुणों का चित्रण किया गया; उदाहरण के लिए, वर्ग 12 विश्वास था, 51 विश्वसनीयता था, 76 ज्ञान था, इत्यादि। इसी तरह, जिन चौकों में सांप पाए जाते, उन्हें विकार और दोष के रूप में जाना जाता था; वर्ग 41 अवज्ञा था, 49 अश्लीलता थी, 84 क्रोध था, वगैरह। सौवां वर्ग मोक्ष या निर्वाण का प्रतिनिधित्व करता था। समय के साथ, खेल में कई बदलाव हुए, लेकिन अर्थ वही रहा- यदि आप अच्छे कर्म करते हैं, तो आप स्वर्ग में जाते हैं, और यदि आप बुरे कर्म करते हैं, तो आपका पुनर्जन्म होगा।

पत्ते-आधुनिक ताश के पत्ते प्राचीन भारत में उत्पन्न हुए, और इन्हें क्रीड़ा-पत्रम कहा जाता था। यह कपड़े के टुकड़ों से तैयार होते थे और रामायण और महाभारत के प्राचीन डिजाइनों को प्रदर्शित करते थे। मध्ययुगीन भारत में, उन्हें गनीफा कार्ड कहा जाता था और राजपूताना, कश्मीर, ओडिशा, दक्कन क्षेत्र के साथ-साथ नेपाल के शाही दरबार में खेला जाता था। ये सभी कार्ड हस्तनिर्मित और पारंपरिक रूप से चित्रित किए जाते थे। कार्डों को पर्याप्त मोटाई प्रदान करने के लिए, कपड़े के कई टुकड़ों को एक साथ चिपका दिया जाता था।

पोलो-प्राचीन पोलो की उत्पत्ति मध्य एशिया में हुई थी, भारत में मणिपुर ने आधुनिक पोलो की नींव रखी।15वीं शताब्दी में जब बाबर ने मुगल साम्राज्य की स्थापना की, तो उसने इस खेल को काफी प्रसिद्ध बना दिया। बाद में जब अंग्रेज भारत आए तो उन्होंने इस खेल को अपनाया और यह धीरे-धीरे पूरी दुनिया में फैल गया।ज्यादातर खेल घोड़े की पीठ पर खेला जाता है, लेकिन अंग्रेजों ने हाथी की पीठ पर एक और बदलाव का आविष्कार किया। हाथी पोलो आज भारतीय राज्य राजस्थान और श्रीलंका, नेपाल और थाईलैंड जैसे देशों में लोकप्रिय है।

बुल फाइटिंग-तमिलनाडु के बैल टमिंग खेल को भारत में विभिन्न नामों से जाना जाता है, जैसे जल्लीकट्टू, मंजू विराट्टू और एरुथाजुवाथल कहा जाता है। यह ज्यादातर पोंगल उत्सव के दौरान खेला जाता है। इस खेल के लिए सांडों को विशेष रूप से पाला जाता है। पहले, सांडों की लड़ाई तमिलनाडु की प्राचीन जनजातियों का एक लोकप्रिय खेल था। यह खेल बहादुरी और मनोरंजन के लिए खेला जाता है और इस खेल को जीतने वाले को पुरस्कार राशि भी मिलती है।

शतरंज को लोकप्रिय बनाने के लिये ओलंपियाड से पहले टूर्नामेंट आयोजित करेगा एआईसीएफ

चेन्नई। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) 44वें शतरंज ओलंपियाड को बढ़ावा देने और खेल को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से देश भर में स्कूली बच्चों के लिए टूर्नामेंट आयोजित करेगा। एआईसीएफ की यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार महासंघ अगले कुछ महीनों में पूरे भारत में स्कूली बच्चों के लिए राज्य स्तरीय टूर्नामेंट आयोजित करेगा।इससे वह 268 बच्चों का चयन करेगा जिन्हें शतरंज के अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ बातचीत करने और यहां महाबलीपुरम में 28 जुलाई से 10 अगस्त के बीच होने वाली दुनिया की सबसे बड़ी शतरंज प्रतियोगिता को देखने का मौका मिलेगा।

यह एआईसीएफ की स्कूलों में शतरंज परियोजना का हिस्सा है जिसे राज्य संघों के माध्यम से और तमिलनाडु सरकार के समर्थन से संचालित किया जाएगा।

शतरंज ओलंपियाड से पहले होने वाले इस टूर्नामेंट पर कुल 86 लाख रुपये का खर्च आएगा। शतरंज ओलंपियाड के निदेशक भरत सिंह चौहान ने कहा, ''हम युवा पीढ़ी को शतरंज की ओर आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य इस परियोजना में कम से कम 30 हजार विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करना है।

महामहिम का आगमन

प्रस्तावित रूट पर अभियान चला नगर निगम ने हटाए कब्जे

कानपुर।राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के तीन जून अपने पैतृक गांव परौंख आगमन की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे। इसके मद्देजनर प्रशासन अलर्ट मोड पर है और अधिकारी एक के बाद एक दौरा कर रहे हैं। इस क्रम में पिछले दिनों नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन ने प्रस्तावित रूटों का निरीक्षण किया। इन रूटों में अतिक्रमण हटाने, अवैध होर्डिंग्स हटाने, सफाई कराने आदि निर्देश दिए। निर्देशों के अनुपालन की दिशा में नगर निगम जोन-6 के प्रवर्तन दस्ते ने शनिवार को कल्याणपुर जीटी रोड से राष्ट्रपति आवास के

इंदिरा नगर तक ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। इस दौरान फुटपाथ पर लगे टिनशेड सहित 103 अवैध कब्जे तोड़े।हालांकि, जीटी रोड से इंद्रा नगर मोड़ के पास स्थित रेस्टोरेंट सहित चार कब्जे छोड़ दिए। केशवपुरम में भी अतिक्रमण हटाया गया।

नगर निगम जोन-2 के प्रवर्तन दस्ते ने राष्ट्रपति के प्रस्तावित रूट एचएएल गेट से हरजेंदर नगर चौराहा होते हुए जाजमऊ, नई चुंगी तक सड़क के दोनों तरफ 15 अस्थायी अतिक्रमण, 10 अवैध होर्डिंग हटाईं। अभियान में कर अधीक्षक गिरीश चंद्र वर्मा, कमलेश कुमार, राज यादव, निजामुद्दीन आदि शामिल रहे।

- तीन की सुबह राष्ट्रपति का आगमन।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद तीन जून की सुबह सर्किट हाउस आ जाएंगे। दोपहर तक रुककर परौंख रवाना होंगे। शाम को वापस आकर रात में सर्किट हाउस में रुकेंगे। प्रशासन ने मिनट टू मिनट प्रोग्राम राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया है। तीन जून को राष्ट्रपति सुबह चकेरी एयरपोर्ट पर आएंगे। सिविल एयरोड्रम और फिर सर्किट हाउस लाया जाएगा। दोपहर एक बजे सिविल एरोड्रम से परौंख जाएंगे। कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। शाम को कोविंद सर्किट हाउस में करीबियों और रिश्तेदारों से मिलेंगे। चार जून की सुबह मर्चेंट चेंबर के कार्यक्रम के बाद कोविंद चकेरी एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। डीएम नेहा शर्मा के मुताबिक फाइनल प्रोग्राम नहीं आया है। परौंख से लौटकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच मिनट के लिए चकेरी एयरपोर्ट पर रुकेंगे। हेलीकॉप्टर बदलकर दिल्ली रवाना हो जाएंगे। पीएम के रुकने को लेकर एयरपोर्ट पर अलर्ट घोषित किया गया है। यहां भारी पुलिस बल तैनात किया जाएगा। उनके आने और जाने के लिए वैकल्पिक रूट बनाया गया है। उधर, एडीएम सिटी अतुल कुमार ने शनिवार को रूट का जायजा लिया।

गरीबों की मदद के लिए तत्पर रहती ओम जन सेवा संस्थान

कानपुर नगर में एक अलग पहचान बना चुकी ओम जन सेवा संस्थान की टीम लगातार गरीबों असहाय व जरूरतमंदों की हमेशा मदद करती आ रही है,थैलीफीमिया बच्चों के लिए ब्लड डोनेट कैम्प लगवा कर लगातार सराहनीय कार्य कर जिले में अलग पहचान बनाई है।

आज ओम जन सेवा संस्थान की टीम ने सिद्ध नाथ घाट पर गरीबों और असहाय लोगों को कपड़ा वितरण किया। नन्हे मुन्ने बच्चों को बिस्कुट, टाफी,चाकलेट व कुरकुरे वितरण किया।

इस अवसर पर ओम जन सेवा संस्थान की संस्थापिका/ अध्यक्ष शिव देवी अग्रहरि(सीमा) ने बताया कि हमारी संस्था लगातार गरीबों की मदद करती आ रही है, थैलीफिमया के बच्चों के लिए ब्लड की बहुत कमी हो रही है ।

हर स्वस्थ व्यक्ति को आगे आकर ब्लड डोनेट जरूर करना चाहिये।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संस्था की संस्थापिका/ अध्यक्ष शिव देवी अग्रहरि (सीमा),मनोज शुक्ला (महाकाल),निर्मला चौहान,सोमेश गुप्ता,पिंकी,कार्तिकेय शुक्ला,सचिन इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

केडीए में लगा विशेष रजिस्ट्री कैम्प

कानपुर। उपाध्यक्ष अरविन्द सिंह ने प्राधिकरण के आवंटियों/ आम जनमानस की सुविधा की दृष्टिगत प्राधिकरण परिसर में शुक्रवार को विशेष रजिस्ट्री कैम्प का आयोजन कराया।कैम्प में ही सबरजिस्ट्रार जोन-1, 2, 3 व जोन-4, विश्व बैंक, बल्क सेल तथा सबरजिस्ट्रार नर्वल अपने सहयोगी स्टाफ के साथ उपस्थित रहे, आवंटियों की रजिस्ट्री तत्काल पंजीकृत की गयी।विशेष रजिस्ट्री कैम्प का शुभारम्भ उपाध्यक्ष ने दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कैम्प में अपर सचिव, डॉ. गुडाकेश शर्मा ने उपाध्यक्ष एवं आवंटियों का स्वागत करते हुये विशेष रजिस्ट्री कैम्प के आयोजन पर प्रकाश डाला। उपाध्यक्ष ने आवंटियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि चुनाव के कारण कानपुर विकास प्राधिकरण एवं इससे जुड़े हुये लोगों के बीच कैम्प के माध्यम से सीधा संवाद स्थापित नहीं हो सका था। जिन आवंटियों द्वारा निबन्धन सम्बन्धी समस्त कागज़ात एवं औपचारिकताएं पूर्ण कर ली गयी है उनकी सम्पत्ति का रजिस्ट्री कैम्प में पंजीकृत कर दी जायेगी।उन्होंने आवंटियों के हित के लिये आगे भी प्राधिकरण द्वारा कैम्प लगाये जाने तथा ग्राहक को प्रत्येक प्रकार की सहायता किये जाने के निर्देश अपने अधिकारियों/ कर्मचारियों को दिये। आवंटियों को विवाद रहित प्लाट उपलब्ध कराने की नई पहल की शुरूआत करते हुये वित्तीय वर्ष अप्रैल 2022 के पश्चात् की जाने वाली रजिस्ट्री से पूर्व ही आवंटी एवं प्राधिकरण के अभियंत्रण विभाग द्वारा मौके पर स्थल का सत्यापन कर लेने एवं पूर्ण संस्तुष्टि के पश्चात् ही रजिस्ट्री निष्पादित किये जाने तथा उसी के

साथ आवंटी को कब्जा हस्तगत किये जाने की व्यवस्था शुरू की, जिससे आवंटी एवं उसके परिवार की जर्नी सुगम हो सके।कैम्प में ही उपाध्यक्ष अरविन्द सिंह ने स्वयं अपने हाथों से राजेश सैनी, गीता, कमलेश कुमारी, शिव प्रसाद एवं गणेश पाण्डेय आदि आवंटियों के पक्ष में निष्पादित की गयी रजिस्ट्री की कॉपी प्रदान की गयी।ख़बर लिखे जाने तक 103 रजिस्टरियां आवंटियों को वितरित की गयी।

आवंटियों में खुशी

-अमित कुमार ने कहा गया कि वह रजिस्ट्री हेतु विगत दो-तीन साल से प्राधिकरण में प्रयासरत थे।किन्ही कारणो से उनकी रजिस्ट्री अभी तक नहीं हो सकी थी। उपाध्यक्ष की विशेष पहल से कैम्प में ही उनकी रजिस्ट्री प्राप्त हूई। जिसका क्षेय उपाध्यक्ष को देता हूँ।

-गीता ने भी कैम्प में रजिस्ट्री होने से खुशी व्यक्त करते हुये उपाध्यक्ष का आभार व्यक्त कर, आगे भी इसी प्रकार के कैम्प लगाये जाने का अनुरोध किया।

पटरी, रेहड़ी, ठेले व खोमचे वाले दुकानदारों को योजना के तहत मिला लाभ

कानपुर। पीएम नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार प्रदेश सहित जनपद में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्ट्रीट वेंडर्स, रेहड़ी, पटरी, छोटी-छोटी दुकान लगाने वाले दुकानदारों को उक्त योजना द्वारा लाभान्वित किया गया है। जनपद कानपुर नगर में ऐसे शहरी पथ विक्रेताओं को जिन्होंने 24 मार्च, 2020 तक रेहड़ी, ठेला आदि का कार्य किया है उनको लाभान्वित किया जाना है। उक्त योजना के अंतर्गत नगर निगम, नगर पालिका, परिषद व पंचायत द्वारा उनका सर्वे कर पथ विक्रेताओं को प्रमाण पत्र/परिचय पत्र दिया गया तथा रुपये दस हजार का लोन का ऑनलाइन आवेदन करा कर बैंकों से ऋण दिलाया जाना है, जिसके अंतर्गत सूडा व शासन से जनपद को 31 मार्च 2022 तक 70520 का लक्ष्य प्राप्त है। लक्ष्य के सापेक्ष 81660 लाभार्थियों का ऑनलाइन आवेदन कराया जा चुका है, आवेदन के सापेक्ष 68255 पथ विक्रेताओं को विभिन्न बैंकों द्वारा ऋण वितरित कराया जा चुका है।

दस हजार रुपये की समय से वापसी के उपरांत बीस हजार रुपये का ऋण दिया जाना है। जिसका लक्ष्य 31 मार्च, 2022 तक 8431 दिया गया था। इसी क्रम में अवगत कराना है शासन से प्राप्त निर्देश के क्रम में 45 दिन में 2579 द्वितीय वितरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि उक्त योजना के अंतर्गत प्रथम ऋण में 97 प्रतिशत कार्य कर बेंडर्स को योजना से लाभान्वित किया गया एवं प्रत्येक जोन में हेल्प टैक्स के माध्यम से बिल्डरों का ऑनलाइन आवेदन कराया गया। बेंडर्स उक्त योजना से लाभ लेकर काफी उत्साहित हैं वह उनको किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो इसलिए भारत सरकार द्वारा परिचय बोर्ड भी भेजे गए हैं जिन्हें वेंडर्स को अपने दुकान पर लगाना होगा एवं समस्त वेंडर्स को डिजिटल ट्रांजैक्शन हेतु भी प्रशिक्षण बैंक, पेटीएम, भारत पे द्वारा दिया गया जिससे कि उनको कैशबैक के माध्यम से लाभ मिल सके। जनपद में 25556 वेंडर्स को डिजिटल ट्रेनिंग से भी लाभान्वित कराया गया हैं।

मानचित्र के विपरीत निर्माण पर केडीए टीम ने सात निर्माण किये सील

कानपुर। उपाध्यक्ष के डीए अरविन्द सिंह द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किये जा रहे निर्माण अथवा प्राधिकरण स्वामित्व की भूमि पर किये गये अवैध कब्जे के विरूद्ध सख्त कार्यवाही किये जाने के अनवरत निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये है।

निर्देश के क्रम में प्राधिकरण द्वारा लगातार अवैध निर्माण/अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में एक ओर जहाँ प्राधिकरण के जोन-1 में स्थित 7 परिसरों में किये जा रहे अवैध निर्माण को सील किया। वहीं दूसरी ओर जोन-4 में स्थित ग्राम सनिगवाँ व दहेली सुजानपुर में प्राधिकरण स्वामित्व की भूमि पर किये गये अतिक्रमण को ध्वस्त किया। राजस्व, अभियन्त्रण एवं प्रवर्तन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सनिगवाँ एवं दहेली सुजानपुर में लगभग 55,570 वर्गमी प्राधिकरण स्वामित्व की भूमि पर हुए अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया जिसका अनुमानित मूल्य लगभग 83.35 करोड़ रूपये आंकलित है। उक्त क्षेत्र में लगभग 20,000 वर्गमी. भूमि पर बिना तलपट मानचित्र स्वीकृत कराये की जा रही अवैध प्लाटिंग को भी टीम द्वारा ध्वस्त किया।उपाध्यक्ष द्वारा सम्बन्धित प्रवर्तन प्रभारियों को यह भी निर्देशित किया गया है कि वह अपने अधीनस्थ स्टाफ के साथ सम्बन्धित क्षेत्र में सतत् रूप से निगरानी बनाये रखें जिससे कि अवैध निर्माण/अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध कार्यवाही की जा सके एवं अवैध निर्माणकर्ता के हौसले पस्त हो सके तथा आम जनता को ठगी का शिकार होने से बचाया जा सके।

संदिग्ध परिस्थितियों में ऑटो पार्ट्स की बंद दुकान में लगी आग

कानपुर। शहर के लाल बंगला स्थित चकेरी चौकी के पास रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में ऑटो पार्ट्स की बंद दुकान में आग लग गई। आग की लपटें उठती देखकर दुकानदारों में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची दमकल की तीन गाड़ियों ने आग को बुझाया।

लाल बंगला निवासी हरिओम की चकेरी चौकी के पास दो दुकानें हैं। उन्होंने दोनों दुकानें किराए पर उठा रखी हैं। नीचे की दुकान में लाटूश रोड निवासी जुनैद का मेडिकल स्टोर है। दूसरी मंजिल पर ऑटो पार्ट्स की दुकान है, जो काफी समय से बंद है।

रविवार दोपहर ऑटो पार्ट्स की दुकान में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें उठती देखकर आसपास के दुकानदारों में भगदड़ मच गई। आनन फानन में दुकानदारों ने पुलिस और दमकल को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक आग काफी बढ़ चुकी थी। दमकल की तीन गाड़ियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत से आग पर काबू पाया। आग से दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। चकेरी इंस्पेक्टर शैलेंद्र सिंह ने बताया कि दुकान में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। आग से कोई जनहानि नहीं हुई है। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

युवा चोर पर भारी पड़ा बुजुर्ग हुई एक्शन फैटिंग

कानपुर। एक कहावत है बूढ़ी हड्डियों में बहुत दम होता है, जिसे बर्रा के फत्तेपुर गोही में रहने वाले 70 वर्षीय वृद्ध ने साबित कर दिया। रात में घर में घुसे युवा चोर ने चाकू से हमला करने का प्रयास किया तो उन्होंने हाथ पकड़कर ऐसा मरोड़ा कि वह छुड़ा नहीं सका। अपनी जान की परवाह किए बिना वह करीब 25 मिनट तक चोर से भिड़े रहे। इस बीच शोर सुनकर पास के मकान में रह रहे पत्नी और बेटे समेत गांव के लोग पहुंच गए और चोर को पकड़कर पीटने के बाद पुलिस को सौंप दिया।

फत्तेपुर गोही गांव निवासी 70 वर्षीय मदन गोपाल सिंह ने बताया कि घर पर ही उनका चट्टा है। बड़ा बेटा शैलेन्द्र सेना में जवान है और दिल्ली में तैनात है। जबकि छोटा बेटा अन्नू घर से 50 मीटर दूर दूसरे मकान में पत्नी व परिवार के अन्य सदस्यों संग रहता है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात वह अकेले अपने कमरे में सो रहे थे। बाहर मवेशी बंधे हुए थे। रात करीब दो बजे मवेशियों की आवाज से उनकी नींद खुल गई। वह उठे तो कमरे में खटपट की आवाज सुनकर उन्होंने खुद आवाज लगाई।

तभी एक युवक चाकू लेकर उन पर हमला करने के लिए बढ़ा तो वह घूमकर उसके पीछे आ गए ऐर उसका हाथ पकड़कर मोड़ दिया, जिससे चाकू गिर गया। इस दौरान वह चोर से 25 मिनट तक अकेले ही भिड़े रहे। इस दौरान शोर शराबा सुनकर गांव के लोगों के साथ उनके बेटे व परिवार के अन्य लोग पहुंच गए और चोर को पकड़कर पीटने के बाद कंट्रोल रूम पर सूचना दी। मौके पर पहुंची बर्रा पुलिस उसे थाने ले गई।वृद्ध ने बताया कि पकड़े गए चोर ने ही एक माह पहले उनका सबमर्सिबल भी चोरी किया था। उसने खुद ये बात कबूली है। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस चोर से पूछताछ कर रही है।

कर्ज उतारने के लिए भतीजे ने बनाई डाक्टर के घर डकैती की योजना

लखनऊ का दोस्त निकला मास्टर माइंड

कानपुर। कल्याणपुर के एक नर्सिंगहोम और डायग्नोस्टिक सेंटर चलाने वाले डाक्टर के घर पर उसके भतीजे ने ही डकैती की योजना बनाई। वारदात को अंजाम दे पाते इससे पहले ही पुलिस ने तीनों को दबोच लिया। आरोपितों के पास से तमंचा, पिस्टल और कारतूस बरामद किए हैं। आरोपितों से पूछताछ कर अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दलहन अनुसंधान के पीछे खेतों में संदिग्ध हालत में लेटे युवकों को देखकर उधर से गुजरे एक राहगीर ने कंट्रोल रूम को सूचना दी थी। कल्याणपुर पुलिस ने दबिश देकर तीनों युवकों को दबोचा और तलाशी में उनके पास से तमंचा, पिस्टल और कारतूस बरामद हुए। पुलिस की पूछताछ में पहले गुमराह करने का प्रयास किया लेकिन बाद में तीनों टूट गए। विवेक ने बताया कि उस पर कुछ कर्ज हो गया था। कल्याणपुर केशवपुरम निवासी उसके चाचा डा. सुनील चौधरी बंबा रोड पर नर्सिंगहोम और डायग्नोस्टिक सेंटर चलाते हैं। उनके घर पर रुपये रखे होने की जानकारी के बाद उसने अपने उत्तराखंड से दो, लखनऊ से एक व प्रयागराज निवासी एक अन्य साथी को वारदात के लिए तैयार किया था। घटना को अंजाम देने के लिए तीन साथी शहर आ गए थे।लखनऊ के साथी को आना था जिनकी मदद से चाचा के घर पर डकैती की योजना तैयार की थी। जब तक वह लोग वारदात को अंजाम देते उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें धर दबोचा। एसीपी दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि पकड़े गए आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। आरोपितों के अन्य साथियों के बारे में भी पता लगाया जा रहा है।

जलवायु परिवर्तन की राष्ट्रीय संगोष्ठी में वैज्ञानिकों ने किया शोध

कानपुर।सीएसए में चल रही चार दिवसीय उद्यानिकी फसलों एवं जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन तकनीकी सत्र तीन कक्षओ में सुचारू रूप से चलाया गया। और वैज्ञानिकों ने अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया तथा उस पर गहनता से मंथन हुए। केंद्रीय उपोष्ण संस्थान संस्थान रहमान खेड़ा लखनऊ के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आर ए राम ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को जैविक खेती विधि अपनाकर कम किया जा सकता है।उन्होंने अपने शोध में बताया कि यदि मृदा उपजाऊ होती है तो वर्षा जल संचयन अधिक होता है और इस विधि द्वारा एक ही खेत में तीन से चार फसलें एक वर्ष में ले सकते हैं।उन्होंने बताया कि रासायनिक उर्वरकों के पोषक तत्वों का 25त्न हिस्सा ही पौधे ले पाते हैं बाकी की हानि होती है। जलवायु परिवर्तन के लिए कार्बन डाई ऑक्साइड, नाइट्रस ऑक्साइड एवं मिथेन गैस जिम्मेदार हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में केवल 5 से 6त्न ही जंगल हैं यदि 25त्न जंगल कुल भाग में हों तो पर्यावरण संतुलित रहेगा।

इसके लिए उन्होंने सलाह दी है कि खेतों की मेड़ों पर नीम एवं फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया जाए। जिससे ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी आएगी और जैव विविधता बढ़ेगी साथ ही गुणवत्ता युक्त उत्पाद प्राप्त होगा। प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय पुणे के निदेशक डॉक्टर मेजर सिंह ने बताया कि प्याज की खपत पूरे वर्ष होती है। उन्होंने कहा कि 20त्न ब्याज खरीफ में 20त्न देर खरीफ में एवं 60त्न रबी में उत्पादन होता है।उन्होंने बताया कि प्याज भंडारण के लिए 27 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ ही भंडार गृह हवादार होना आवश्यक है।डॉ सिंह ने बताया कि देश में 260 मिलियन टन प्याज का उत्पादन होता है। यदि इसकी हानियों को रोक लिया जाए तो 10 हजार करोड रुपए बचत होगी। संगोष्ठी में लीड, मौखिक एवं पोस्टर इत्यादि विधि द्वारा वैज्ञानिकों ने अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह एवं पूर्व महानिदेशक उद्यान आईसीएआर डॉक्टर एच पी सिंह द्वारा सभी शोधों के प्रस्तुतीकरण का अवलोकन भी किया गया। संगोष्ठी सचिव डॉ करम हुसैन ने बताया कि देश के कई राज्यों से आए वैज्ञानिकों ने आज 60 से अधिक शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया ।

धक्का-मुक्की कर मोबाइल छीनने वाला दारोगा लाइनहाजिर

कानपुर। बर्रा थाना क्षेत्र में महिला संग धक्कामुक्की करके मोबाइल छीनने वाला दारोगा को डीसीपी पूर्वी ने लाइन हाजिर कर दिया है। दारोगा का महिला संग अभद्रता करते हुए वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ था। बर्रा पुलिस ने दारोगा का नम सामने आते ही तहरीर बदलवाकर रिपोर्ट दर्ज की थी।बर्रा निवासी महिला के मुताबिक उनके बेटे की शादी नवंबर 2016 में चकेरी निवासी युवती संग हुई थी। जिससे उनका साढ़े चार वर्षीय पौत्र भी है। महिला का आरोप था कि बहू के प्रेम प्रसंग होने और मोबाइल पर वाट्सएप चैट मिलने पर विरोध किया था तो बहू पौत्र को लेकर मायके चली गई थी।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक
मुद्रक प्रकाशक
स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.
UPHIN/ 2016/66740
सम्पादक
बुद्ध प्रकाश साहू
व्हाट्सअप 9335908846
मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com
info@bpsnews.in
www.bpsnews.in

नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा।
समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।